कार्तिक कृष्ण पक्ष 3, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 209 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

23 जनवरी 2025 गुरुवार

आज का मौसम

31 अधिकतम

11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

राजधानी का जीजी फ्लाईओवर आखिरकार शुरू हुआ, सीएम ने किया लोकार्पण

सौगातों का सिलसिला.. नए साल में कई पुराने साल की तकलीफों से झंझट छूटा

भोपाल दोपहर मेट्रो।

राजधानी के नये इलाके में यातायात को बेहतर बनाने के लिये बना जीजी फ्लाईओवर अंतत आज से खुल गया। इसके साथ ही हजारों वाहनों और लोगों की सुविधा का नया रास्ता भी खल गया है। बरसों से यह ब्रिज ही पूरा नहीं बन पा रहा था और इसकी पूरा होने की डेडलाइन कई बार आगे सरकाना पड़ रही थी। बहरहाल आज मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसे जनता के लिए खोल दिया। इससे मिसरोद की तरफ से आने वाले उन वाहनों को हबीबगंज स्टेशन और एमपनी नगर में नहीं आना पड़ेगा जिन्हें इन इलारको से बाहर की तरफ जाना है। अभी आलम यह हैं कि मुख्य रास्ते से 3 किमी की दूरी तय करने में करीब 30 मिनट तक लग जाते हैं। दिन में भी ट्रैफिक का दबाव रहता है। इस फ्लाई ओवर के पास ही मेट्रो का काम भी चल रहा है। इस कारण भी जाम की स्थिति बनती है। अब ये दूरी महज 5 मिनट में पार की जा सकेगी। यह दो हिस्सों में बना है। इसमें 2534 मीटर की मुख्य लेन है, जबकि 200 मीटर का थर्ड लेग है। थर्ड लेग यानी गायत्री मंदिर के पास का आखिरी छोर, जहां से फ्लाई ओवर का ट्रैफिक दो भागों में बंटेगा। 15 मीटर चौड़े इस फ्लाईओवर से एमपी नगर आने वाला 60 फीसद ट्रैफिक गुजर जाएगा। जिससे केवल पांच मिनट में पौने तीन किमी की दूरी तय हो सकेगी। ट्रैफिक एक्सपर्ट की माने तो पिक अवर्स यानी सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और शाम 5 से रात 8 बजे के बीच एमपी नगर रोड का पैसेंजर कार यूनिट (पीसीयू) 10 हजार तक है। इनमें से 60 प्रतिशत वाहन ऐसे होते हैं, जिन्हें एमपी नगर में दाखिल ही नहीं होना होता है। ये ट्रैफिक सरकारी दफ्तरों, चेतक ब्रिज, रानी कमलापति स्टेशन, रचना नगर या मानसरोवर की ओर जाता है। फ्लाईओवर न होने से ये वाहन एमपी नगर में ट्रैफिक जाम का कारण बनते हैं। पुराने भोपाल, एयरपोर्ट की ओर जाने वाले लोग जाम में फंसे बिना ही गुजर जाएंगे।

कल कैबिनेट का महेश्वर मार्च

महेश्वर में नए साल की डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक सरकार नए साल 2025 की पहली डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक 24 जनवरी को महेश्वर में करने जा रही है। सरकार इस बैठक के जरिए जनता को कई सौगात सकती है। ये सौगातें महिला कल्याण, लोक परिवहन, नशा मुक्ति और औद्योगिक क्षेत्रों में मिल सकती है। सरकार महेश्वर में होने वाली कैबिनेट बैठक देवी अहिल्या बाई होल्कर को समर्पित कर रही है। उन्होंने उद्योग धंधे, किसान कल्याण, महिला सशक्तिकरण, धार्मिक घाटों के पुर्नोद्धार, कुटीर एवं ग्रामोद्योगों की नींव रखने जैसे कई उदाहरण पेश किए थे, इनमें से ज्यादातर काम अभी भी नजीर पेश कर रहे हैं।

जनता को मिल सकती है ये सौगातें

1. सरकार लोक परिवहन नीति ला सकत है। इसकी घोषणा पूर्व में ही हो चुकी है।
2. धार्मिक नगरों से आगे बढ़कर कई क्षेत्रों में सरकार चरणवार शराबबंदी पर सकारात्मक विचार कर सकती है।
3. स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा शक्ति मिशन शुरू कर चुकी सरकार गरीब कल्याण मिशन को पिछली कैबिनेट बैठक में मंजूरी दे सकती है।
4. महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने वाली देवी अहिल्या बाई की नगरी में महिला सशक्तिकरण मिशन को हरी झंडी मिलने की संभावना है। मिशन में महिला स्व सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, उपक्रमों में उनकी मदद लेने और महिलाओं को शैक्षणिक रूप से मजबूत बनाने पर जोर दिया जाना है।

फिर भड़की आग, हर तीन सेकंड में खाक हो रहा बड़ा हिस्सा

अमेरिका में भारी तबाही

लॉस एंजिलिस, एजेंसी।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में पिछले कई हफ्तों से लगी आग एक बार फिर भड़क गई है। इस बार लॉस एंजिलिस के उत्तरी इलाके ह्यूजेस में आग लगी है। बुधवार को लगी आग से करीब 10 हजार एकड़ इलाका जल गया है। आग की वजह 50 हजार लोगों को घर छोड़ने को कहा गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, कास्टिक झील के पास लगी इस आग को बुझाने के लिए 4 हजार फायर फाइटर्स को तैनात किया गया है। यहां 48 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही हैं। आग इतनी तेजी से फैल रही है कि इससे हर 3 सेकेंड में एक फुटबॉल मैदान के बराबर इलाका जल रहा है।सैटेलाइट डेटा के मुताबिक स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 10.45 बजे कास्टिक झील के पास हॉटस्पॉट का पता चला था। इससे पहले लॉस एंजिलिस के आसपास के दक्षिणी जंगलों में 7 जनवरी को आग लगी थी। इसमें 25 लोगों की जान चली गई थी।

रणजी में भी रोहित फ्लॉप

मुंबई, एजेंसी।

टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा लगभग एक दशक के अंतराल के बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी की मगरर निराशा किया। मुंबई की टीम आज मुंबई के बीकेसी मैदान पर जम्मू-कश्मीर से खेलने उतरीं है। इस दौरान सभी की निगाहें रोहित और यशस्वी जायसवाल पर थीं. बुधवार की रात कोलकाता टी20 में धमाकेदार प्रदर्शन से जहां फैंस उत्साहित दिखे, वहीं अगली सुबह यानी गुरुवार को उन्हें निराशा हाथ लगी. दरअसल, घरेलू क्रिकेट में हाथ आजमाने उतरे टीम इंडिया के वनडे और टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा का फेल होने का सिलसिला जारी रहा.शस्वी 4 रन बनाकर आकिब नबी की गेंद पर आउट हुए. वहीं रोहित शर्मा भी 3 रन बनाकर पारस डोगरा के हाथों उमर नजीर की गेंद पर लपके गए. रोहित शर्मा 9 साल 3 महीने बाद रणजी में खेलने उतरे थे।पिछले कुछ महीनों से 37 साल के रोहित बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं. वह घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में मिली करारी शिकस्त के बाद आलोचना का सामना कर रहे हैं.

नक्सलियों की गुफा पर किया कब्जा, हथियार फैक्टी चला रहे थे

माओवादियों को झटका

सुकमा, एजेंसी।

जिले के दुलेड इलाके में घोर जंगल के बीच प्राचीन गुफा को नक्सलियों ने अपने कब्जे में ले रखा था। यहां नक्सली छुपने के साथ-साथ हथियार बनाते थे। ताजा खबर यह है कि जवानों की सक्रियता के चलते यहां से विस्फोटक सामग्री के साथ-साथ लेंथ मशीन भी बरामद हो गई है। लगातार जवान इलाके की सर्चिंग कर रहे हैं जिसके कारण धीरे-धीरे नक्सली बैक फुट पर नजर आ रहे हैं। कोबरा बटालियन और 131 बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने मेटागुडेम और डुलेर गांवों के बीच के वन क्षेत्र में विस्फोटक सामग्री और हथियार निर्माण उपकरणों का बड़ा भंडार सफलतापूर्वक बरामद किया। इस अभियान में दोनों बटालियनों की कई स्ट्राइक टीमों द्वारा समन्वित कार्रवाई की गई।इस दौरान खोज दल ने मेटागुडेम गांव से लगभग 1.5 किलोमीटर दूर एक गुफा को खोजा। बरामद शस्त्रागार में 21 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) साबुन के केसों में पैक, मल्टीपल बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) बम, एक जनरेटर सेट, लेथ मशीन के सामान, विस्फोटक बनाने की बड़ी मात्रा में सामग्री, गन निर्माण के उपकरण और आवश्यक चिकित्सा सामग्री शामिल हैं।प्रत्येक बरामद आईईडी का वजन लगभग 250 ग्राम था। इतनी बड़ी मात्रा में बरामदगी माओवादी संचालन के लिए क्षेत्र में एक बड़ा झटका है।

चाय वाले ने फैलाई ट्रेन में आग लगने की अफवाह?

जलगांव, एजेंसी।

महाराष्ट्र के जलगांव में कल लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस के यात्रियों के साथ हादसा में कई बातें अब निकल रही है। इस ट्रेन में आग की अफवाह फैली, चेन खींची गई और यात्री परेशान होकर अचानक ट्रेन से उतरने लगे. ऐसे में बगल के ट्रैक पर आ रही ट्रेन ने कई मुसाफिरों को रौंद दिया. घटना में 13 लोगों की जान चली गई.खबरों के मुताबिक हादसे के वक्त ट्रेन पर मौजूद एक यात्री ने बताया कि ट्रेन में आग लगने की अफवाह एक चाय वाले ने फैलाई थी।हादसे के एक चश्मदीद ने बताया कि एक चाय वाले ने अफवाह फैला दी कि ट्रेन में आग लग गई है. इसके बाद ट्रेन के अंदर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. उस चायवाले ने खुद ही चेन खींच दी. जब ट्रेन धीमी होने लगी तो यात्री जान बचाने के लिए ट्रेन से कूदने लगे.श्मदीद ने आगे बताया, ÷कुछ लोग उस ट्रैक पर कूद गए, जहां से बंगलौर एक्सप्रेस गुजर रही थी और वे कुचलकर मर गए. सैकड़ों लोग दूसरी तरफ कूद गए, जहां ट्रैक नहीं था. अगर वे इस तरफ कूदते तो और भी ज्यादा लोग मारे जाते.

जलगांव में पटरी पर 13 मौतों पर बड़ा खुलासा

अब कपिल और राजपाल को धमकी भरा ईमेल

मुंबई, एजेंसी।

कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा और राजपाल यादव को धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। कथित रूप से यह ईमेल पाकिस्तान से भेजा गया है। इन दोनों स्टार्स के अलावा सुगंधा मिश्रा और रेमो डिसूजा को भी धमकी मिली है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है। ईमेल मामले में पुलिस ने एफआईआओर दर्ज कर ली है और जांच जारी है। इन सितारों को ईमेल भेजने वाले ने धमकी दी है कि अगर आठ घंटे में इन सितारों की तरफ से जवाब नहीं आया तो कार्यवाई करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला है कि धमकी भरा ईमेल पाकिस्तान से भेजा गया है।

मेट्रो एंकर

ऑटो एक्सपो में भविष्य की गाड़ियों पर रहा जोर ज्यादा

९ लाख लोग, ९० वाहनों की लॉन्चिंग डेट्रॉयट ऑटो शो से भी ज्यादा दर्शक!

नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो।

इस बार भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 दुनिया का सबसे बड़ा ऑटो एक्सपो बना। यहां 17 जनवरी से कल रात तक करीब 9 लाख दर्शक पहुंचे। दर्शकों की यह संख्या अमेरिका में आयोजित होने वाले डेट्रॉयट ऑटो शो से ज्यादा रही। इस दौरान 90 वाहनों की लॉन्चिंग हुई। खास यह कि एक्सपो में बड़ी संख्या में इथेनॉल आधारित भविष्य की बाइक को दिखाया गया। यह 80 फीसदी एथेनॉल पर और 20 फीसदी पेट्रोल पर चल सकेगी। आयोजकों ने बताया कि एक्सपो में भविष्य को ध्यान में रखकर सभी कंपनियों ने इथेनॉल आधारित दोपहिया वाहनों को प्रस्तुत किया है। इसके अलावा ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट और यशोभूमि में द कंपोनेंट्स शो में भी काफी संख्या में लोग पहुंचे। यह दोनों आयोजन ऑटो एक्सपो के ही अभिन्न अंग रहे।

केंद्रीय वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि इस साल ऑटो एक्सपो में लोगों का पिछली बार आंकड़ा करीब डेढ़ लाख के करीब रहा। यह दुनिया का सबसे बड़ा ऑटो एक्सपो रहा है। इस आयोजन में जर्मनी, जापान सहित पांच विकसित देशों की भागीदारी रही। इसके अलावा चार अन्य देश भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के तहत इस बार ऑटो एक्सपो में मोबिलिटी से जुड़े हर क्षेत्र को मौका दिया गया। इसमें लग्जरी कार, बाइक, साइकिल के अलावा दूसरे वाहन भी लाए गए। साथ ही इन वाहनों में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, टायर, स्टील सहित दूसरे जरूरी सामानों को भी प्रदर्शित किया गया।

उम्मीद है कि अगली बार परिवहन के दूसरे अन्य साधनों को भी मौका दिया जाएगा। वहीं एक सवाल के एक जवाब में उन्होंने कहा कि यह आयोजन साल में दो बार होगा या नहीं यह लगाने वाले पर निर्भर करेगा। मंत्रालय इसके लिए पूरी तरह से तैयार है।

ऑटो एक्सपो में आई 36 साइकिल कंपनियां

इस बार एक्सपो में 36 साइकिल कंपनी आई। जबकि पिछले बार इनकी संख्या 22 थी। हॉल नंबर 14 में लगे इस प्रदर्शनी में ज्यादातर साइकिलें रोजाना इस्तेमाल वाली रहीं। इसके अलावा सामान उठाने वाली साइकिल भी मौजूद रहीं। इनकी कीमत 25 हजार से शुरू होकर 70 हजार रुपये तक रही

ई-वाहनों का दिखा जोर

छह दिनों तक चले इस एक्सपो में ई-वाहनों का जोर दिखा। हर कंपनी ने ई-वाहनों को लांच किया। आयोजकों का कहना है कि देश में ई-वाहनों की मांग बढ़ रही है। इसे देखते हुए कंपनियां भी नई तकनीक, गुणवत्ता सहित दूसरे स्तर पर काम कर रही है। इस बार ई-वाहनों को लेकर कई स्तर पर काम किया गया।

कलश यात्रा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अशोका गार्डन मनसा देवी मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली अशोका गार्डन दशहरा मैदान में राम कथा के लिए और कलश यात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई दशहरा मैदान में समाप्त हुई फोटो निर्मल व्यास

श्रीराम भगवान के दरबार की स्थापना

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बरकतुल्लाह विवि परिसर मंदिर में राम भगवान के दरबार की स्थापना की गई।

गंदगी पर लगाई फटकार

भोपाल। वार्ड 47 पंचशील नगर में साफ सफाई स्वच्छता से संबधित निरीक्षण किया। गंदगी मिलने पर महापौर मालती राय ने दरोगा को फटकार लगाई।

मेट्रो की सवारी से ज्यादा महंगी पड़ेगी पार्किंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर रेलवे की समय सारणी के अनुसार ही ट्रैफिक प्रबंधन व्यवस्था है, लेकिन प्रति पंद्रह मिनट में मेट्रो के लिए यहां कोई व्यवस्था तय नहीं है। यदि कोई यात्री अपने निजी वाहन से यहां पहुंचता है तो उसे फिर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की निजी महंगी पार्किंग में ही अपना वाहन पार्क करना होगा। मेट्रो में यात्रियों की संख्या बढ़ाने यदि दस से 20 रुपए टिकट की दर रखी जाती भी है तो पार्किंग शुल्क दिनभर का 200 रुपए से अधिक बन जाएगा। ऐसे में मेट्रो की सवारी महंगी पड़ेगी। ऐसे में लोगों को सुलभ पब्लिक ट्रांसपोर्ट मिलेगा तो राहत होगी।

आरकेएमपी से बोर्ड ऑफिस तक शेयरिंग ऑटो

मेट्रो के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के आसपास कहीं सार्वजनिक सस्ती पार्किंग नहीं है। आरकेएमपी की महंगी पार्किंग में वाहन खड़ा करने से बचने के लिए अरेरा कॉलोनी ही पास का आवासीय स्थल है। इसके अलावा मानसरोवर कॉम्प्लेक्स में ही वाहन पार्क किया जा सकता है। यहां दुकानदार और उनके ग्राहकों के ही इतने वाहन है कि लोगों को मशक्कत के बाद भी जगह नहीं मिलती। गौरतलब है कि रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन के लिए कोलार, चूनाभट्टी, तुलसी नगर, शिवाजी नगर, अरेरा कॉलोनी इ8 से लेकर शाहपुरा, गुलमोहर की ओर से यात्री पहुंच सकते हैं।

सुलभ पब्लिक ट्रांसपोर्ट मिले तो स्टेशन तक पहुंच हो आसान

- बोर्ड ऑफिस के पास रहने वाले जगदीश विश्वकर्मा का कहना है कि आरकेएमपी रेलवे स्टेशन से बोर्ड ऑफिस तक के लिए महज दस रुपए में शेयरिंग ऑटो मिल जाता है। हम क्यों मेट्रो में बैठेंगे?

- एमपी नगर के कारोबारी एसके चतुर्वेदी का कहना है कि बोर्ड ऑफिस से आरकेएमपी की दूरी ही कितनी है। दो किमी में तीन मेट्रो स्टेशन का क्या तुक है। यहां अन्य क्षेत्रों के ही यात्री रहेंगे तो वहां से उन्हें लाने की व्यवस्था करना चाहिए।

- अरेरा कॉलोनी निवासी जेएस सेठिया ने कहा-आरकेएमपी से अरेरा तो वॉकिंग डिस्टेंस पर है। यहां से यात्री थोड़ी मिलेंगे। सुभाष तक लोग जाएंगे, लेकिन यदि पब्लिक ट्रांसपोर्ट से मेट्रो स्टेशन तक पहुंचाने की व्यवस्था होगी।

सस्ती पार्किंग ही नहीं, अरेरा में कहां पार्क करेंगे वाहन

दूरस्थ क्षेत्रों से कलेक्ट्रेट आने की जरूरत नहीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जिले में अब दूरस्थ अंचल या क्षेत्रों के लोगों को अपनी समस्या- दिक्कत के लिए कलेक्ट्रेट आने की जरूरत नहीं होगी। प्रशासन स्तर पर ऐसी योजना तय की जा रही है जिसमें गांव या क्षेत्र आधारित वीडियो कांफ्रेंसिंग की योजना तय की जा रही है। इसमें दूर-दराज से ही समस्याओं पर चर्चा करने व उनका निराकरण की स्थिति बनाई जाएगी। इसमें स्थानीय कर्मचारी की मदद से कुछ गांव व क्षेत्रों के लोगों को समस्याओं के साथ एक तय दिन उपस्थित रहने का कहा जाएगा। संबंधित अफसर भी उस दिन तय समय पर रहेंगे और वीडियो कॉफ्रेंसिंग से समस्या समझकर जरूरी निदान किया जाएगा। इसे शासन के लोकल्याण शिविर की अगली कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। इसमें शहरी क्षेत्र में जोन-वार्ड व ग्रामीण में पंचायत-पटवारियों की भूमिका बढ़ेगी। इसमें पूरी व्यवस्था उन्हें ही करना है। लोगों की शिकायत लेने से लेकर उन्हें वीडियो कांफ्रेंसिंग में उपस्थित रहने का समय और दिन वही तय करेंगे।

वीडियो कॉफ्रेंसिंग से अफसरों को बता पाएंगे अपनी समस्याएं

ग्रामीण पीएम आवास योजना के दूसरे चरण में 31 मार्च तक जुड़वा सकेंगे नाम

भोपाल। ग्रामीण प्रधानमंत्री आवास योजना के दूसरे चरण का सर्वे शुरू हो गया है। इसमें पात्र परिवार 31 मार्च तक स्थाई प्रतीक्षा सूची में नाम जुड़वा सकेंगे। उक्त योजना को आगामी पांच वर्ष के लिए मंजूरी दी है। आवास प्लस की सूची को अद्यतन करने के लिए आवास प्लस सर्वे 2024 शुरू किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे जिले में ग्राम पंचायत में नियुक्त सर्वेयर सचिव, रोजगार सहायक द्वारा किया जाएगा। सर्वे का काम आवास प्लस एप-2024 से किया जाएगा। इसमें हितग्राही स्वयं के मोबाइल से भी आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 ग्रामीण विकास मंत्रालय एनआईसी द्वारा निर्मित किया है। इस ऐप की लिंक आवास सॉफ्ट पोर्टल पर उपलब्ध है। सर्वे के लिए समस्त जिले, जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों एवं नामांकित सर्वेयर को प्रशिक्षण दे दिया है।

- आवास प्लस 2.0 ऐप से होगा सर्वे, हितग्राही स्वयं भी कर सकते हैं आवेदन

धार्मिक स्थलों के पास शराब की दुकानें हटें- जयराम

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

युवा सिंधी मंच के अध्यक्ष जयराम नंदवानी ने संतनगर के धार्मिक स्थलों के पास से शराब की दुकानें हटाए जाने की मांग की है। एक बयान में नंदवानी ने कहा है कि संतनगर के नगर निगम शापिंग कॉम्प्लेक्स में भारतीय स्टेट बैंक, डाकघर तथा नगर निगम जोन कार्यालय संचालित है जहां प्रति दिन सैकडों की संख्या में पुरुष एवं महिलाओं का आना-जाना होता है ऐसी जगह पर शराब की दुकान का संचालन होना ठीक नहीं है। कॉम्प्लेक्स के सामने पंडित जवाहरलाल नेहरु के नाम पार्क हुआ करता था जिसका भी शराब की दुकान के कारण अस्तित्व ही समाप्त हो गया है। हमारे ईष्टदेव झूलेलाल भगवान का एवं स्वामी शांति प्रकाश जी का मंदिर स्थापित है जहां पर सुबह शाम पूजा पाठ होती है तथा श्रद्धालुगण आते है जहां पर शराब की दुकान बंद होना चाहिए। कॉम्प्लेक्स से शराब की दुकान को अन्यत्र दूसरी जगह भेजी जानी चाहिए, नहीं तो मंच आंदोलन करेगा।

हर सप्ताह करेंगे हनुमान चालीसा का पाठ संकल्प लें प्रत्येक हिंदू : उत्तम स्वामी

भोपाल। अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राजधानी भोपाल में विश्व हिंदू परिषद द्वारा सवा लाख दिव्य श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन बुधवार को किया गया।?राजधानी के पिपलानी पेट्रोल पंप के सामने दोपहर 3:00 बजे से आयोजन प्रारंभ हुआ, जो देर शाम तक चला।?आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी महाराज शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होने कहा कि हिंदू धर्म में शक्ति और भक्ति का बहुत ब?ा महत्व है। प्रभु श्री राम के परम भक्त महावीर श्री हनुमान जी की शक्ति की उपासना श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर की जाती है, प्रत्येक हिंदू आज यह संकल्प लें कि हम अपने घर के पास वाले मंदिर में सामूहिक इकट्ठा होकर सप्ताह में एक दिन मंगलवार या शनिवार को श्री हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे, जिससे हिंदू धर्म की शक्ति और भक्ति का जागरण होगा। सारे जन्मों के पापों का विनाश करने का अधिकार अगर किसी में है वह राम नाम में बताया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विहिप क्षेत्र संगठन मंत्री जितेंद्र पंवार ने कहा कि वर्तमान हिंदू समाज चुनौतियों से घिरा हुआ है। जितनी हिंदू समाज की शक्ति दिख रही है, उतनी ही चुनौतियां भी हैं। लव जिहाद का विषय हो या धर्मांतरण का, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल प्रभु हनुमान लला की तरह समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहता है।

भजन संध्या के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का समापन होगा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सैनिक कॉलोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर में चल रहे श्री हनुमानजी और श्रीराम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के छठवें दिन कन्याभोज, ब्राह्मण भोज एवं आम भण्डारा आयोजित किया गया। अखण्ड रामायण पाठ का समापन महाआरती के साथ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, अनिल मिश्रा उपस्थित थे। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि 23 जनवरी को सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन किया जाएगा। इस अवसर पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें कथा वाचक निधि किशोरी दीदी द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी, जो शाम 7 बजे से प्रभु इच्छा तक चलेगा। भजन संध्या के साथ महोत्सव का समापन होगा।

अखंड रामायण का समापन, कन्या भोज हुआ

मेट्रो एंकर विशेषज्ञों ने दिए त्वचा की देखभाल के टिप्स

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में ब्यूटी एण्ड वेलनेस पर सत्र

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में लैक्मे एकेडमी का विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें अखिलेश राजपूत, लैक्मे एकेडेमी के संस्थापक, दीक्षा गौर कॉस्मेटोलॉजिस्ट, रंजीत सिंह मार्केटिंग एंड पी आर मैनेजर द्वारा छात्राओं को मेकअप, स्किन और हेयर ग्रूमिंग के क्षेत्र में कॅरियर के अवसरों के विषय में जानकारी दी गई। राजपूत ने छात्राओं को उद्योग-संबंधित कौशल से लैस करने के लिए डिजाइन किए गए पाठ्यक्रमों की विविधता के बारे में बताया। दीक्षा गौर ने त्वचा की देखभाल और नेल एक्सटेंशन में विशेषज्ञता रखती हैं। उन्होंने छात्रों को स्व-देखभाल और त्वचा की देखभाल के महत्व के बारे में बताया, और बताया कि कैसे ये कौशल समग्र व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में योगदान करते हैं।

इंटरैक्टिव प्रारूप ने सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया और छात्रों के बीच जिज्ञासा को बढ़ावा दिया।

आज के समय में कॉर्पोरेट जॉब्स, मॉडलिंग, एक्टिंग, विवाह समारोहों में मेकअप का उपयोग इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर दे रहे हैं। ये कौशल आधारित उद्योग है जिसमें कला का ज्ञान, अभ्यास एवं नवाचार से एक अच्छा मेक अप आर्टिस्ट बनने की अनेक संभावनाएं हैं। प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज अपने विद्यार्थियों को नवीन और कौशल- उन्मुख पहलों के माध्यम से सशक्त बनाने, उनके समग्र विकास और भविष्य के प्रयासों के लिए तत्परता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

18 फरवरी को आयोग कार्यालय में उपस्थित होने के आदेश, 2023 के मामले में हुई कार्यवाही

मप्र मानव अधिकार आयोग ने जवाब नहीं देने पर पन्ना डीएफओ को थमाया जमानती वारंट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के तीन मामलों में संज्ञान लेने के साथ ही पन्ना जिले के डीएफओ गर्वित गंगवाल को एक मामले में जवाब प्रस्तुत नहीं करने के कारण जमानती वारंट जारी किया है। वर्ष 2023 के एक मामले में जवाब न देने के कारण आयोग ने पांच हजार रुपए का जमानती वारंट डीएफओ को थमाया है।?इसके साथ ही 18 फरवरी को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश भी जारी किये है। सूचना पत्र एवं जमानती वारंट पुलिस अधीक्षक के माध्यम से तामील कराया जाएगा।

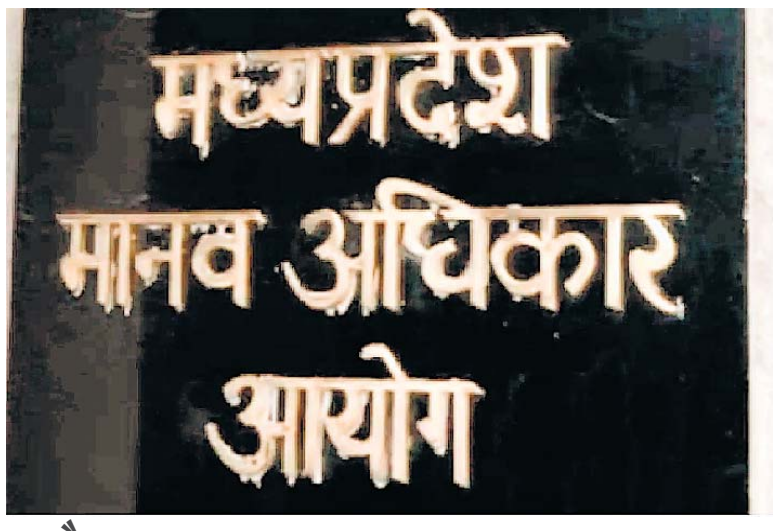

यह है पूरा मामला

आयोग में दर्ज प्रकरण अनुसार 23 फरवरी 2023 को बालक को बचाने के लिए किसान द्वारा बाघ से भिडने के मामले में आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया था। आयोग ने डीएफओ से मामले की जांच कराकर पीड़ित को आर्थिक मुआवजा राशि के संबंध में तथा क्षेत्र के निवासियों की सुरक्षा के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा था। आयोग ने मामले में निरंतर सुनवाई की, लेकिन बार-बार सूचना देने के बाद भी डीएफओ द्वारा जवाब नहीं दिया गया। नतीजन आयोग ने मामले में अब डीएफओ गर्वित गंगवाल को नोटिस थमाया है।?

महिला रिसेप्शनिस्ट से दुराचार मामले में पुलिस आयुक्त से रिपोर्ट तलब

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर के कमला नगर इलाके के रैन बसेरा के केयर टेकर द्वारा एक महिला से दुराचार करने के मामले में संज्ञान लिया है।?आयोग ने मामले में पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं।?इसके साथ ही आरोपी के विरूद्ध की गई कार्यवाही तथा पीड़ित की सुरक्षा परामर्श, विधिक सहायता आदि के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है।

स्कूल शिक्षा: शुरू हुआ जिला स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड, आज 4 से 8वीं तक के विद्यार्थी शामिल

प्रत्येक विकासखंड मुख्यालय पर किया जा रहा है शैक्षिक ओलंपियाड का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड का आयोजन 22 और 23 जनवरी 2025 को प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड मुख्यालय पर किया जा रहा है। प्रदेश के सभी शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 2 से 8 के करीब 2 लाख विद्यार्थी इसमें शामिल हो रहे हैं।?जिला स्तरीय ओलम्पियाड प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक विकासखंड मुख्यालय पर किया जा रहा है। जिसके तहत कक्षा 2 से 3 के विद्यार्थियों ने बुधवार को?सुबह 10 बजे से अपरान्ह 3:30 तक परीक्षा दी।?वहीं कक्षा 4 से 5 के विद्यार्थियों की परीक्षा 23 जनवरी सुबह 10 बजे से सांय 5:30 बजे तक विषयवार आयोजित होगी। कक्षा 6 से 8 की परीक्षा सुबह 10:00 से दोपहर 3:30 तक आयोजित होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित यह ओलम्पियाड प्रतियोगिता ओएमआर शीट आधारित है।

सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश जारी

राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि इस शैक्षिक ओलम्पियाड अंतर्गत जनशिक्षा केन्द्र स्तर की परीक्षा का आयोजन 24 दिसंबर को प्रदेश के समस्त जनशिक्षा केन्द्रों में हुआ था। जन शिक्षा केन्द्र स्तर के ओलम्पियाड में शामिल लगभग 14 लाख से अधिक विद्यार्थियों में से लगभग 2 लाख विद्यार्थी जिला स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड के लिये चयनित हुए हैं। विकासखंड मुख्यालयों पर आयोजित होने वाली इस ओलम्पियाड परीक्षा के लिए चयनित विद्यार्थियों के परिवहन, स्वल्पाहार एवं भोजन आदि की सभी व्यवस्था विभाग द्वारा की गई हैं। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र ने परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश जारी कर दिये है।

हमारे देश में शिक्षा एवं संस्कृति हमेशा से एक दूसरे के पूरक रहे हैं: प्रो. सीसी त्रिपाठी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हमारे देश में शिक्षा एवं संस्कृति एक दूसरे के पूरक रहे है। आज टेक्नोलॉजी के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, विस्तार एवं जन सामान्य तक पहुंचाना आसान है। संस्थानों की आपसी भागीदारी समाज के हित में होगी। इस समझौते से दोनों संस्थान न केवल शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अपने संसाधनों और विशेषज्ञता को साझा करेंगे, बल्कि कला और संस्कृति के संरक्षण को लेकर भी सक्रिय रूप से काम करेंगे। यह बात एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. सी. सी त्रिपाठी ने कही। राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) भोपाल और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल के बीच एमओयू पर साइन हुए है। एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में दोनों संस्थानों के डायरेक्टर ने हस्ताक्षर किये। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक, सांस्कृतिक, एवं भारतीय ज्ञान परम्परा को बढ़ावा देना है, जिससे दोनों संस्थानों के कर्मचारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए अवसर प्राप्त होंगे।इस अवसर पर एनआईटीटीटीआर से डीन प्रो. पी.के पुरोहित, प्रो. आर. के दीक्षित, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. आशीष देशपांडे, डॉ. रोली प्रधान, मेजर निशांत ओझा एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय से डॉ सूर्यकुमार पांडेय,श्री हेमंत बी एस परिहार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मप्र में सिकल सेल स्क्रीनिंग लक्ष्य समय पूर्व हासिल हुआ

भोपाल।राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल स्क्रीनिंग में शत प्रतिशत उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश ने अब तक कुल 90 लाख 98 हज़ार 902 लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग कर समय पूर्व वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति करने की सफलता अर्जित की है। मध्यप्रदेश ने 53 लाख 87 हज़ार 892 सिकल सेल कार्ड वितरण कर, देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष और गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सिकल सेल उन्मूलन का संकल्प मध्यप्रदेश की धरती से ही लिया है। प्रदेश सरकार भी वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया है।

संपादकीय

राजनीति में बदलते दौर

राजनीति के मौजूदा दौर पर आजकल कुछ खास वर्गों में खूब चर्चा होती हैं चिंतन होता है लेकिन इसमें सुधार जैसा दौर दूर की कौड़ी लगता है। दरअसल ह बात हाल में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर स्टे से फिर उभरी है। सबसे दिलचस्प है कि इससे पहले ही उनके खिलाफ असम पुलिस ने गुवाहाटी में एक एफआईआर दर्ज की। दरअसल, देश में राजनीतिक बयानों पर कोर्ट में केस करने या एफआईआर दर्ज कराने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है और यह ढेर सारे सवाल भी खड़े करती है। अभी जिन दो मामलों का जिक्र किया गया है, उनमें राहुल गांधी के बयान राजनीतिक प्रकृति के हैं। मानहानि के केस में राहुल गांधी के उन बयानों पर आपत्ति जताई गई है, जिनमें उन्होंने कथित तौर पर भाजपा सदस्यों को झूठा और सत्ता के नशे में डूबा बताया है। गुवाहाटी में दर्ज प्राथमिकी का वास्ता उनके उस बयान से है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर भारत राज्य से संघर्ष की बात कही थी। हालांकि बात राहुल गांधी की हो या किसी अन्य नेता की, उनके बयानों से सहमत होना जरूरी नहीं है। यह दलील तो कदापि नहीं दी जा सकती कि तमाम बड़े राजनीतिक दलों के नेता देश के कानून से ऊपर हैं। यदि वे किसी कानून का उल्लंघन करते हैं तो कानूनी प्रक्रियाओं का सामना करने के लिए उन्हें तैयार भी रहना चाहिए लेकिन जब किसी लोकतंत्र में राजनीतिक बयानों को कानून व्यवस्था के सरकारी तंत्र के जरिए नियंत्रित करने का प्रयास होने लगे तो उसे अच्छा नहीं माना जा सकता। मगर दिक्कत यह भी है कि ऐसा अगर किसी एक पार्टी की सरकार में होने लग जाए तो दूसरे दल भी जहां उनकी सरकारें हैं, वहां पीछे नहीं रहते। पश्चिम बंगाल से लेकर कर्नाटक तक ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, जब सत्तारूढ़ दल या नेता के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई। हालांकि यह नहीं कहा जा सकता कि ऐसे तमाम मामलों में सरकार और पार्टी के बड़े नेताओं की सहमति शामिल होती है। लेकिन ये बड़े नेता चाहें तो इस प्रवृत्ति पर रोक जरूर लगा सकते हैं। याद रखना चाहिए जिन पड़ोसी देशों में लोकतंत्र का मजाक बनता हुआ हम देखते हैं, उन सबमें विरोधी राजनीति को कानून की बलि चढ़ाकर ही सत्तातंत्र वहां तक पहुंच पाता रहा है। जहां तक भारतीय राजनीति की बात है तो वह दौर अब बहुत ही पुराना लगताहै जब आम सहमति यदि नहीं भी बनती थी तो राजनीतिक दलों के नेता एक दूसरे की आलोचना को बहुत स्वस्थ तरीके से लेते थे। कई ऐसे भी उदाहरण भारतीय राजनीति में मिल जाएंगे जब किसी नेता ने अपने विरोधी नेता को स्पेस दिया या उन्हें सरकारी कामकाज में परोक्ष तौर पर शामिल करके उनके अनुभवों का फायदा उठाया। हालांकि यह दौर बहुत पुराना नहीं है लेकिन मौजूदा दौर में जिस तरह की राजनीति हावी होती जा रही है,उसे लगातार देखते और रोज ही कुछ न कुछ ऐसा सुन-पढकर लोगों को वह दौर ज्यादा पुराना नजर आने लगा है। जबकि जरूरत इस बात की है कि आलोचना को लोग सकारात्मक तरीके से लें और यदि सुधार करने योग्य हैं तो करें भी। मगर राजनीतिक लोगों में यदि यह भावना घर करने लगे कि वे जो कर रहे हैं वही ठीक है और जो उन्हें ठीक लगता है वहीं हर व्यक्ति के लिये ठीक या मुफीद है तो फिर ताजा दौर के खत्म होने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

धूर्त होना, मूर्ख होने की अपेक्षा अधिक बुरा नहीं।
- हरिभाऊ

ट्रंप काल में बढ़ेगी चीन की वैश्विक भूमिका

■ टीएन निनान

अब जबकि डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, ऐसे में दुनिया मौलिक परिवर्तन के बीच फंस गई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे शक्तिशाली देश भी अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता सीमित बनाए रखने के लिए तैयार थे, जिसमें वे अधिकांशतः वैश्विक नियमों और सहकारी कार्रवाई का पालन करने के लिए सहमत थे। ऐसे नियम कई विषयों पर बनाए गए थे। केवल व्यापार और शुल्क ही नहीं, बल्कि परमाणु अस्त्र, समुद्रीय कानून और राष्ट्रीय सीमाओं की पवित्रता पर भी।आज दो कारणों से यह बदलने लगा है। पहला है चीन का उद्भव और उसके साथ-साथ हो रहा वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव। चीन कोई यथास्थितिवादी शक्ति नहीं है, इसलिए वह उलट-फेर कर चीजों को बदलना चाहता है और अमेरिका को चुनौती देने को बेकरार है। दूसरा है शक्ति-संपन्न राष्ट्रों में शासकों के रूप में अधियानक बनने पर उतारू लोगों का उदय : व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग और अब डोनाल्ड ट्रम्प।

इन दो घटनाक्रमों ने कुछ ऐसा फिर से जिंदा कर दिया है जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद लगभग मर चुका था, यानी महाशक्तियों द्वारा किए गए युद्ध, जिनका उद्देश्य नया इलाका हासिल करना है। इराक पर अमेरिकी युद्ध एक तरह से पूर्व-चेतावनी थी। तीन साल पहले पुतिन ने यूक्रेन पर चढ़ाई कर दी। ऐसा लगता है कि शी जिनपिंग ताइवान पर चीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। अब ट्रंप पनामा नहर और ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल प्रयोग की धमकी दे रहे हैं।अब बहुपक्षीय कार्रवाई करने की बजाय एकतरफा अभियान को प्राथमिकता दी जाने लगी है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन की घटती भूमिका एवं उपयोगिता के बीच जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निर्धारित कार्रवाइयों का सिरे न चढ़ना चिंतनीय है। भू-राजनीति सदा ही सत्ता को लेकर रही है, लेकिन अब यह नियमों से बेलगाम हुई सत्ता विस्तार में बदलने लगी है। यह बात दक्षिण चीन सागर, गाजा का नरसंहार, तिब्बत में ब्रह्मपुत्र के ऊपर एक विशाल नया बांध और तीसरी दुनिया के सीधे संघर्ष से बचने वाले देशों को प्रभावित करने वाले आर्थिक प्रतिबंधों के मामले में एकदम सच दिखाई देती है।

इस सबके मूल में मानसिकता में आया

बदलाव है, जो परस्पर निर्भरता और व्यापारिक नेटवर्क को लाभप्रद रूप में न देखकर इन्हें कमजोरी के तौर पर लेती है। इसलिए हम आधी सदी से भी ज़्यादा पुरानी व्यापार उदारीकरण की परंपरा से परे हटते दिख रहे हैं। इसके लिए, वैश्वीकरण गया भाड़ में, 'सबसे पहले मेरे देश का हित' वाली नीति अपनाना है। नेटवर्क वाली अर्थव्यवस्था छोड़ दो, आत्मनिर्भरता अपनाओ। मंडी के फायदे से बाहर निकलो, राष्ट्रीय व्यापारिक सुरक्षा पहले। कोई एक सदी पहले, जब इस सूत्र को आजमाया गया था, तो यह तरीका कारगर साबित नहीं हुआ था, लेकिन लगता नहीं कि इतिहास से मिले सबक बहुत ज़्यादा देर तक असरदार रहे।शायद सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अतीत में नियम-निर्माण का बहुत बड़ा स्रोत यानी संयुक्त राज्य अमेरिका, अब धरती का सबसे अविश्वसनीय देश बन गया है। फाइनेंशियल टाइम्स के एक स्तंभकार ने अपने लेख में पूछा है : 'क्या अमेरिका एक बेलगाम देश बन गया है'। कोई नहीं जानता कि यह आगे क्या करने जा रहा है, और तो और इसके सहयोगी भी नहीं। यह सब दुनिया को कहीं ज़्यादा अशांत जगह बनाएगा, जहां पहले से बहुत सी अनिश्चितताएं और जोखिम व्याप्त हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जो सहकारी एजेंडे बनाए गए थे, वे पश्चिमी प्रतिमान की प्रधानता के कारण संभव हुए थे। ये कानून एवं समझौते पहले से मौजूद सत्ता संरचनाओं को दर्शाते थे और जिन्हें युद्ध से उभरे सबसे शक्तिशाली देश द्वारा लागू किया गया थे। अगर यह विश्व व्यवस्था, जैसा कि बताया जा रहा है, यदि अब टूट रही है, तो हमें मूल कारण पर वापस जाना होगा : चीन के उदय से पश्चिम के लिए बनता खतरा, एक अभूतपूर्व गति और पैमाने पर। पश्चिमी प्रतिक्रिया - इस धारणा से प्रेरित है कि चीन ने स्वीकृत व्यापार नियमों का पालन नहीं किया, पश्चिम के औद्योगिकीकरण को नुकसान पहुंचाने के लिए व्यवस्थित रूप से काम किया। पश्चिमी प्रौद्योगिकियों को भी चुराया है- लिहाजा उस पर व्यापार प्रतिबंध, बढ़ाया टैरिफ, प्रौद्योगिकी तकनीक देने से इनकार इत्यादि अनेक अन्य उपाय किए जाएं।

लेकिन शायद यह करने में बहुत देर कर दी। चीन की औद्योगिक श्रेष्ठता को कोई चुनौती नहीं दे पाएगा। पिछले साल इसने अमेरिका से 12.6 गुणा अधिक स्टील, 22 गुणा अधिक सीमेंट और तीन गुणा अधिक कारें बनाईं- जिनके इलेक्ट्रिक मॉडलों के साथ यह अब कार बाजार में जापानी और जर्मनी के वर्चस्व को पछाड़ने की हैसियत में आ चुका है। सकल वैश्विक जलपोत उत्पादन में चीनी शिपयार्ड का हिस्सा आधे से अधिक है। 2030 तक, चीन का विनिर्माण क्षेत्र समूची पश्चिमी दुनिया के कुल उत्पादन से अधिक होने का अनुमान है।

ये शक्तियां केवल तभी तक उपयोगी हैं यदि चीन अपनी पहुंच विश्व बाजारों तक जारी रख पाए, जिसे घटाने की उत्तरोत्तर कोशिशें की जा रही हैं। फिर भी चीन ने 2024 में रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष का आनंद लिया, और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। कुछ क्षेत्रों में यह तकनीक के मामले में पश्चिमी मुल्कों से आगे निकल गया है। लेकिन अब चीनी अर्थव्यवस्था को गंभीर ढांचागत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वास्तविकता जिससे निपटा जाना चाहिए वह यह है कि पश्चिम मुल्क जितना अधिक खतरा महसूस कर रहे हैं, उतनी ही जल्दी वे अपने उन नियमों को तज रहे हैं जिनका इस्तेमाल कर उन्होंने कभी खेल किया था। नई दुनिया में, हर देश अपने हित पर केंद्रित है, और इसके लिए शक्ति प्रयोग जायज मानता है। हकीकत है कि हर देश अपना रक्षा बजट बढ़ा रहा है, हम उम्मीद करें कि इससे संघर्ष न बढ़े। भले ही इसे टाला जा सकता है, लेकिन पुरानी दुनिया वापस नहीं आएगी। लेकिन क्या नई दुनिया नए नियमों के लिए सहमत हो सकती है?

जिस प्रकार चीजें चल रही हैं, इससे पहले कि मुल्क वार्ता के लिए राज़ी हों, वैश्विक शक्ति धुरी में बदलाव के लिए खेल होकर रहेगा- तब जाकर, महाशक्तियां आक्रामकता या आक्रामक मुद्रा के माध्यम से अपनी-अपनी हदों की आजमाइश करेंगी। एक नया तरीका निकलकर आ सकता है। यह यदि यह मान भी लिया जाए कि पश्चिमी प्रशांत महासागरीय क्षेत्र से चीन अमेरिका को पछाड़ने में कामयाब हो जाए, तो भी उसे पूरी तरह वहां से खदेड़ नहीं पाएगा, और रूस को वह मिल जाएगा जो वह चाहता है : अपने प्रभुत्व क्षेत्र वाला आसपास का इलाका। यह एक स्थिर व्यवस्था होगी या नहीं, यह इन मुख्य प्रश्नों के उत्तरों पर निर्भर करेगा : मौजूदा शासकों की जगह कौन लेगा, क्या महाशक्तियां जीने और जीने देने के सिद्धांत पर सहमत होंगी और मध्यम दर्जे की शक्तियों की भूमिका क्या रहेगी।

हमें सुरक्षा परिषद जैसी वर्तमान वैश्विक संस्थाओं में सुधार पर ध्यान देना होगा। आदर्श रूप से, परिषद को वीटो को समाप्त कर देना चाहिए और यूरोपीय संघ और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व बैंक में प्रचलित मतदान आधारित व्यवस्था को अपनाना चाहिए। इससे आज के वीटो शक्ति संपन्न मुल्क अंतर्राष्ट्रीय राय के प्रति अधिक संवेदनशील बनेंगे। व्यापार जगत में, बुरी तरह हावी वैश्विक व्यापार नियमों की तुलना में बहुपक्षीय व्यवस्थाएं बनने की संभावना तब अधिक होगी। अफ्रीकी महाद्वीप के गरीब देशों के लिए वैश्विक समझौता जरूरी है। चाहे तो, इस मामले में मध्यम दर्जे की शक्तियां कतर से सीख ले सकती हैं और चीजों में सुधार लाने को मध्यस्थता की भूमिका निभा सकती हैं।

(साभार : लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 2020 - अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने महत्वपूर्ण आदेश में म्यांमार से रोहिंग्या आबादी को सुरक्षा देने को कहा। इसी तारीख में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने ब्रिटिश सरकार के ब्रेक्जिट कानून को मंजूरी दी। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने 'सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार' 2020 के विजेताओं की घोषणा की। तथा भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 80वें स्थान पर आ गया।
- 2009- फ़िल्मी और टेलीविज़न कार्यक्रमों में धूम्रपान दृश्यों पर लगा प्रतिबंध समाप्त हो गया।
- 2008-खाड़ी क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा ने बहरीन में अपना पूर्ण परिचालन शुरू करने की योजना बनायी।
- ईरान के ख़िलाफ़ तीसरा प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर विश्व की महाशक्तियों के बीच सहमति बनी।
- 2007- भारत एवं रूस के बीच मध्यम आकार के बहुउद्देश्सीय परिवहन विमान के उत्पादन हेतु एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर हुए।
- 2006- भारत ने पाक को सर्वाधिक वरीयता प्राप्त राष्ट्र का दर्जा देने की सिफारिश को मंजूर कर लिया।
- 2005- उप्र के फिरोज़ाबाद में सेना के जवानों ने फरक्का एक्सप्रेस से 6 लोगों को बाहर फेंक दिया। 5 लोगों की मौत व एक घायल हुआ।
- 2004- मध्यप्रदेश में गोवंश वध पर पूर्णतया प्रतिबंध लागू।
- 2003- नेपाल की चार प्रमुख पार्टियों का राजशाही द्वारा निर्वाचित सरकार को बर्ख़ास्त कर लोकेन्द्र बहादुर चंद के नेतृत्व में बनायी गयी सरकार का संयुक्त रूप से विरोध।
- 2002- राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव जमानत पर रिहा।
- 1993- इराक ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों पर विमानभेदी तोपों से हमले का आरोप ग़लत बताते हुए युद्धविराम का पालन करने की घोषणा की।
- 1992- एस्टोनिया के प्रधानमंत्री एडगर सैविसार ने इस्तीफ़ा दिया।
- 1973- अमरीकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने वियतनाम युद्ध में समझौते की घोषणा की।

निशाना

लगे खेलने खेल !

-कृष्णेन्द्र राय

है अभी शुरुआत ये ।
लगे खेलने खेल ।।
रहा यही यदि हाल ।
होगा कैसे मेल ?
सारे चतुर खिलाड़ी ।
रहे हैं पासा फेंक ।।
है गद्दी का मामला ।
मतभेद भी अनेक ।।
होंगे कैसे एकजुट ?
है वही सवाल ।।
हो रही ना शांति ।
बस केवल बवाल ।।
एकता की बात थी ।
होते दरकिनार ।।
झलक रहा है बहुत कुछ ।
करते जो व्यवहार ।।

धर्म बांटने की नहीं, जोड़ने की जीवन पद्धति है

■ ललित गर्ग

विश्व धर्म दिवस हर साल जनवरी के तीसरे रविवार मनाया जा रहा है।इस वर्ष यह 19 जनवरी को मना। यह दिन दुनिया के सभी धर्मों की विविधता और संस्कृति का जश्न मनाने का दिन है। इस दिन को मनाने का मकसद, धर्मों के बीच समझ, सौहार्द और शांति को बढ़ाना है क्योंकि धर्म दीप नहीं, चिराग नहीं, बिजली नहीं, बल्कि यह सूर्य है और उसी की भांति यह बिना किसी भेदभाव के सबको आलोक एवं मंगल बांटता है। धर्म जीवन का अभिन्न अंग है, तत्व है। इसके अस्तित्व को नकारने का अर्थ है स्वयं के अस्तित्व को नकारना। दुनिया में असंख्य लोग जिस सबसे गहरी श्रद्धा के साथ जिसे पूजते हैं, वह धर्म है। धर्म ही कामधेनु है, धर्म ही कल्पतरु है। जिसने धर्म को सही रूप में स्वीकार कर लिया, समझ लीजिये कि उसने जीवन की सर्वोच्च निधि को प्राप्त कर लिया। धर्म की इसी महत्ता के कारण विश्व धर्म दिवस की शुरुआत साल 1950 में संयुक्त राज्य अमेरिका के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा ने की थी। बहाई धर्म के अनुयायियों का मानना है कि सभी धर्मों में समान विशेषताएं हैं और उनका समान रूप से सम्मान किया जाना चाहिए। प्रारंभ में एक बहाई अनुष्ठान के रूप में विश्व धर्म दिवस धर्म की एकता और प्रगतिशील रहस्योद्घाटन के बहाई सिद्धांतों से प्रेरित था, जो धर्म को मानवता के इतिहास में निरंतर विकसित होने के रूप में वर्णित करता है। यह उन विचारों को उजागर करके इन सिद्धांतों को बढ़ावा देता है कि दुनिया के धर्मों में अंतर्निहित आध्यात्मिक सिद्धांत सामंजस्यपूर्ण हैं और धर्म मानवता को एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज इस दिवस की सर्वाधिक प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है।

आज की दुनिया में, जहाँ सांस्कृतिक और धार्मिक तनाव अक्सर सुर्खियों में छाए रहते हैं, विश्व धर्म दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि हमारे मतभेदों के बावजूद, हम एक समान मानवता, शांति और कल्याण की सार्वभौमिक इच्छा साझा करते हैं। अंतर-धार्मिक संवाद के माध्यम से, हम एक-दूसरे की मान्यताओं और परंपराओं के बारे में जान सकते हैं, गलतफहमियों को दूर कर सकते हैं और आपसी समझ के पुल बना सकते हैं। इससे सहिष्णुता, सम्मान और सहयोग को बढ़ावा मिलता है, जो अंततः एक अधिक शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण दुनिया का मार्ग प्रशस्त करता है।

भारतीय संस्कृति की आत्मा धर्म है। यही कारण है कि यहां अनेक धर्म पल्लवित एवं पुष्पित हुए हैं। सबने अपने-अपने ढंग से धर्म की व्याख्या की है। सुप्रसिद्ध लेखक लार्ड मोर्ले ने लिखा है, ''आज तक धर्म की लगभग दस हजार परिभाषाएं हो चुकी हैं, पर उनमें भी जैन, बौद्ध आदि कितने ही धर्म इन व्याख्याओं से बाहर रह जाते हैं।'' लार्ड मोर्ले की इस बात से यह चिंतन उभर कर सामने आता है कि ये सब परिभाषाएं धर्म-सम्प्रदाय की हुई है, धर्म की नहीं। सम्प्रदाय अनेक हो सकते हैं, पर उनमें निहित धर्म का संदेश सबका एक है। पंथ, संप्रदाय या वर्ग तक ही धर्म को सीमित नहीं किया जा सकता। धर्म बहुत व्यापक है। धर्म न तो पंथ, मत, संप्रदाय मंदिर या मस्जिद में है और न धर्म के नाम पर पुकारी जाने वाली पुस्तकें ही धर्म है। धर्म तो सत्य, करूणा और अहिंसा है।

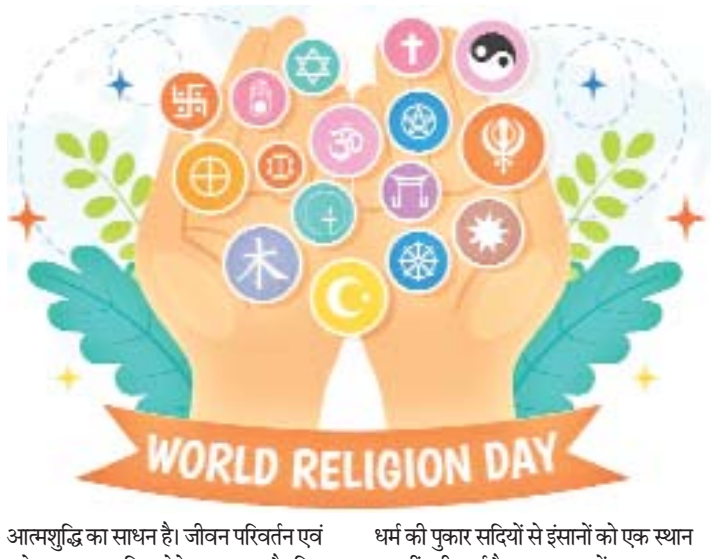

आत्मशुद्धि का साधन है। जीवन परिवर्तन एवं उसे सकारात्मक दिशा देने का माध्यम है। जिन लोगों ने सामाजिक सहयोग को धर्म का ताना-बाना पहना दिया है, किसी को भोजन देना, वस्त्र की कमी में सहायता प्रदान करना, रोग आदि का उपचार करना अध्यात्म धर्म नहीं, किन्तु पारस्परिक सहयोग है, लौकिक धर्म है।

इनदिनों प्रयागराज में चल रहा महाकुंभ, भारतीय धर्म और संस्कृति का प्रतीक है जो दुनिया को एकजुट करने का सशक्त माध्यम है। यह दुनिया भर में सनातन धर्म की महत्ता को दिखाता है। महाकुंभ में शामिल होने से आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं और पाप धुल जाते हैं। यह सनातन धर्म का सबसे अहम और पवित्र आयोजन है जिसमें शामिल होने से मोक्ष मिलता है, आत्मा की शुद्धि होती है। कुंभ हो या हज यात्रा या फिर क्रिश्चयन समुदाय का वेटिकन मास, धर्म की पुकार सदियों से इंसानों को एक स्थान पर खींचती आई है। हर सभ्यता में मनुष्य एक तय समय पर अपने ही जैसे विश्वास के लोगों से मिलता है और धार्मिक अनुष्ठान कर एक बेहतर दुनिया एवं जिंदगी की कामना करता है। धर्म और आस्था की डोरी सदियों से मानवों को अपनी ओर खींचती आई है। धर्म का भाव, मुक्ति की कामना लाखों लोगों को एक सूत्र में पिरोती है। इसलिए ऐसी गतिविधियों में मनुष्य बिना बुलाये ही भारी संख्या में जमा हो जाता है। दुनिया में हर स्थान पर धार्मिक क्रियाओं के लिए हर कोने में एक निश्चित जगह पर लाखों-करोड़ों लोग जमा होते हैं। सनातन, बहाई, इस्लाम, ईसाइयत हर धर्म के लोग अपनी परंपरा को मनाने के लिए एक निश्चित स्थान पर जमा होते हैं। मान्यता है कि सनातन में कुंभ की परंपरा लगभग 2500 साल से ज्यादा समय से चलती आ रही है, इस्लाम के मानने वाले लगभग 1400 सालों से हज पर जाते रहे हैं जबकि क्रिश्चयन समुदाय के लोग 1700 सालों से ईस्टर संडे मनाते आ रहे हैं। वेटिकन मास का आयोजन भी सालों से होता आ रहा है।

धर्म जीवन का रूपान्तरण करता है। पर जिनमें धर्म से परिवर्तन घटित नहीं होता उन धार्मिकों ने शायद धर्म के वास्तविक स्वरूप को आत्मसात नहीं किया है। उन धार्मिकों से हैरान हो जाना चाहिए जो वर्षों से धर्म करते आ रहे हैं, किंतु जीवन में परिवर्तन नहीं आ रहा है। धार्मिक की सबसे बड़ी पहचान है कि वह प्रेम और करुणा से भरा होता है। धार्मिक होकर भी व्यक्ति लड़ाई, झगड़े, दंगे-फसाद करे, यह देखकर आश्चर्य होता है। धार्मिक अधर्म से लड़े, असत्य से लड़े, बुराई से लड़े यह तो समझ में आता है, किन्तु एक धार्मिक दूसरे धार्मिक से लड़े, यह दुख का विषय है। धार्मिक होने की पहली प्राथमिकता है नैतिकता। धार्मिक होकर यदि व्यक्ति नैतिक नहीं है तो यह धर्म के क्षेत्र का सबसे बड़ा विरोधाभास है। आज देश की लगभग -एक अरब पचास करोड़ की आबादी में -सौ करोड़ जनता धार्मिक मिल सकती है पर जहां तक ईमानदारी एवं नैतिकता का प्रश्न है, -दो करोड़ भी संभव नहीं है। इसका तात्पर्य यह हुआ कि बेईमान धार्मिकों की संख्या अधिक है। एक धार्मिक कहलाने वाला व्यक्ति चरित्रहीन हो, हिंसा पर उतारू हो, आक्रांता हो, धोखाधड़ी करनेवाला हो, छुआछूत में उलझा हुआ हो, भ्रष्टाचार करता हो, दहेज के नाम पर बालिकाओं का उत्पीड़न करता हो और भी अनेक अनैतिक आचरण करता हो, क्या वह धार्मिक कहलाने का अधिकारी है? पुत्र, पत्नी, परिवार, पैसा, पद-प्रतिष्ठा इनके पीछे आम आदमी जहां पागल बना दौड़ रहा है, वहां इस सचाई को भी नकारा नहीं जा सकता कि इन सबसे ऊपर की चीज सुख-शांति का रास्ता अजाना-अचीन्हा मार्ग धर्म है। धर्म शून्य व्यक्ति बाहर से सब कुछ पाकर भी अंतस् में रिक्तता का अनुभव करता है। धार्मिक व्यक्ति वस्तु जगत की न्यूनता को भी आंतरिक संपदा के कारण पूर्णता में बदल देता है। क्योंकि वह जानता है पदार्थ सापेक्ष सुख अस्थायी है। धार्मिक आस्था और सम्यक् आचरण से होने वाली सुखानुभूति स्थायी होती है। भारतीय मनीषा में धर्म केवल ईश्वरीय आस्था ही नहीं है, वह वैश्विक व्यवस्था है। सृष्टि का सार्वभौम, सर्वकालिक नियम है। जीवन पद्धति है। धर्म मजहबी विश्वास या बंधन नहीं है। वह आंतरिक प्रकाश है, ज्ञान और आनंदमयी चेतना का स्पंदन है। धर्म वह आचार-संहिता है, जिसमें सर्वोदय-सबका अभ्युदय, सबका विकास निहित है। इसलिये विश्व धर्म दिवस मनाते हुए हमें धर्म के वास्तविक स्वरूप को अंगीकार करना चाहिए।

धर्म मनुष्यता का मंत्र है, उन्नति का तंत्र है। पशुता को मनुजता में रूपांतरित करने का यंत्र है। धर्म एक मर्यादा है, वह जीवन को मर्यादित करता है। व्यक्ति और समाज की उच्छृंखल वृत्तियों-प्रवृत्तियों का नियमन करता है। धर्म सम्मत जीवन वह है, जहां मनुष्य किसी भी प्राणी को हानि पहुंचाएं बिना नैतिक समाज में अपनी मिसाल खड़ी कर सके। बिना किसी को कष्ट दिए, स्वयं सत्कर्म में लगा रहे। क्योंकि धर्म उत्कृष्ट मंगल है-समस्त विघ्न, बाधाओं, कष्टों का निवारक, सिद्धिदायक, यह विश्वशांति का अमोघ साधन है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

संविधान गौरव अभियान कार्यक्रम के तहत विचार गोष्ठी आयोजित

अधिकारों के साथ ही कर्तव्यों पर भी ध्यान दें : खंडेलवाल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बुधवार को भारतीय जनता पार्टी तत्वावधान में संविधान गौरव अभियान कार्यक्रम के तहत विचार गोष्ठी ओर 'हमारा संविधान हमारा गौरव' विषय पर आधारित निबंध प्रतियोगिता का शुभारंभ शासकीय बालक छात्रावास आईटीआई में किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमति माया नारोलिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का संविधान वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शक है हमारा संविधान बहुत ही संवेदनशील एवं लचीला है इसमें समय समय पर वक़्त और परिस्थिति के अनुकूल परिवर्तन हो सकते है।हमारा संविधान एक जीवंत ओर प्रगतिशील दस्तावेज है. दूरदर्शी संविधान निर्माताओं बदलती व्यवस्था एवं समय के अनुरूप, नवीन विचारों को अपनाने की व्यवस्था बनाई है बीते 75 वर्ष में देश के सामने जो भी

चुनोतियाँ आई है उनसे बाहर निकलने का मार्ग संविधान और उसके द्वारा स्थापित संस्थाओं ने देश का मार्ग प्रशस्त कराया है.उन्होंने मौजूद विद्यार्थियों के साथ संवाद किया और प्रश्न उत्तर भी किये। सांसद ने सभी विद्यार्थियों को भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत ने कार्यक्रम को संबंधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान की प्रारुप समिति के अध्यक्ष के रूप में अपने दायित्वों का निर्वाहन किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अंबेडकर के पांचों स्थान जन्म भूमि महू,दीक्षा भूमि नागपुर,चैत्य भूमि बंबई,शिक्षा भूमि लंदन,महापरिनिर्वाण भूमि दिल्ली (पंच) तीर्थों के संवर्धन ओर संरक्षण का कार्य किया गया है। भारत के भविष्य का मार्ग अब बड़े सपनों के सृजन एवं उन सपनों की सिद्धि का मार्ग है.

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल ने कहा कि हमें संविधान में प्रदत्त अधिकारों के साथ ही कर्तव्यों पर भी ध्यान देना चाहिए ओर हमें एक भारत श्रेष्ठ भारत के निर्माण में विद्यार्थियों को अपना योगदान देना के परिश्रम की पराकाष्ठा को पार कर देना चाहिए

मंडल प्रभारी राजेश तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान की लक्ष्य संबंधित प्रस्ताव यानि संविधान की प्रस्तावना में संविधान का सार समाहित है.

कार्यक्रम में सांसद द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया जिसे सभी विद्यार्थियों और उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने दोहराया.कार्यक्रम के बाद भारत के संविधान की प्रस्तावना की प्रति को छात्रावास स्टाफ को भेंट किया गया. कार्यक्रम में संभागीय कार्यालय मंत्री हंस राय,मनोहर बढ़ानी, महेंद्र यादव, रोहित गौर, पंकज पांडे, अतुल भंडारी,मनीष परदेशी,चंचल राजपूत, गिरजेश मिश्रा, संतोष मीणा , मालवीय सहित छात्रावास अधीक्षक शालिग्राम कीर, जयसिंह निमोदा, उपस्थित रहे । इस कार्यक्रम का संचालन विशाल दीवान ने किया व आभार सुंदरम अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया।

नव पदस्थ सहायक आयुक्त आदिवासी विकास का स्वागत कर सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आदेश हुए 5 माह बीत चुके काउंसलिंग आज नहीं करवाई गई

राज्य शिक्षक संघ की महिला अध्यक्ष सुषमा मौर्य ने बताया कि जिले के एक मात्र ट्राइबल ब्लॉक केसला के प्राथमिक शिक्षको के उच्च पद प्रभार के आदेश हुए 5 माह बीत चुके है। परंतु आज दिनांक तक कईयों बार संघठन के पदाधिकारियों द्वारा कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारी को ज्ञापन देने निवेदन करने एवं बार बार फोन पर चर्चा करने के बाद भी उच्च पद प्रभार की पदस्थापना हेतु अभी तक काउंसलिंग नहीं करवाइ गई है। जिसके कारण शिक्षक परेशान हो रहे है। मंगलवार को संघठन की महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमति सुषमा मौर्य एवं प्रदेश सचिव गजेंद्र बछले ने जनजाति कार्य एवं आदिम जाति कल्याण कार्यालय पहुंचकर नव सहायक आयुक्त विवेक नागवंशी का राज्य शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने फूलों के गुलदस्ते से स्वागत कर शुभकामनायें दी। इसके बाद 5 माह से उच्च पद प्रभार की पदस्थापना का इंतजार कर रहे शिक्षको की जल्द से जल्द पदस्थापना करवाने के लिए ज्ञापन दिया। सहायक आयुक्त ने पूरी जानकारी लेकर जल्दी ही पदस्थापना करवाने की बात कही है। इस अवसर पर संघठन के प्रदेश सचिव गजेंद्र बछले, जिला अध्यक्ष सुषमा मौर्य जोसफ, तहसील अध्यक्ष अनिल तोमर, सह सचिव अमित तिवारी, श्री गुजरे , सोनिया चौधरी आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृहमंत्री अनवेषण उत्कृष्टता पदक से सम्मानित गौरव सिंह बुंदेला, एसपी ने किया टीआई को पुरस्कृत

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

अपनी कुशल कार्यप्रणाली और तत्परता से कानून व्यवस्था को संभालने के लिए अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले नर्मदा पुरम जिले के दबंग थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने जिले में अपनी एक अलग पहचान बना रखी है। जहां बदमाशों में उनके नाम से खौफ रहता है। दो नंबर का काम करने वाले अपराधी भूमिगत हो जाते हैं

तो वही आम जनता को न्याय दिलाने में भी पुरजोर प्रयास करना उनकी कार्य शैली में शामिल है। सिवनी मालवा के पूर्व थाना प्रभारी और अभी वर्तमान में इटारसी थाना प्रभारी जाब श्री बुंदेला केसला थाने में पदस्थ थे उसी दौरान एक शर्मसार कर देने वाली घटना घटित हुई। इस घटना में उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरा मामला न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया और माननीय न्यायालय ने भी आरोपी को मृत्युदंड की सजा दी आज आरोपी सलाखों के पीछे है।

क्या था पूरा मामला

सिवनी मालवा विधानसभा क्षेत्र के केसला के अंतर्गत 8 वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में अपराध क्र 207/2022 धारा 363 भादवि, धारा 302, 376 (A)(B), 376(2) (एफ) भादवि एवं 5/6 (M)(N) पाक्सो एक्ट कायम कर आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उसके साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या करना बताया गया। विवेचना के दौरान 11 दिवस में चालान माननीय न्यायालय पेश किया गया। जिसके कारण माननीय न्यायालय द्वारा मात्र 83 दिन में सम्पूर्ण गवाही पूर्ण कर अपना निर्णय पारित किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को चार धाराओं 376 (A)(B), 302 भादवि, 5/6 (M)ए 5/6 (N) पाक्सो एक्ट में पृथक पृथक मृत्युदण्ड एवं पांच हजार रू. जुर्माना, धारा 363 भादवि में 3 वर्ष सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये जुर्माना, धारा 376 (2) (एफ) भादवि में आजीवान कारावास एवं पांच हजार रूपये की सजा से दण्डित करने का निर्णय पारित किया गया। कार्यवाहक निरीक्षक गौरव सिंह बुन्देला द्वारा नाबालिग बालिका के साथ हुए दुष्कर्म एवं उसकी हत्या करने के मामले में की गई उत्कृष्ट विवेचना के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री अनवेषण उत्कृष्टता पदक से कार्यवाहक निरीक्षक श्री बुन्देला को पुरस्कृत किया गया है। उन्हें यह सम्मान नर्मदापुरम जिले के पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरु करण ने सम्मानित किया।

28 वर्षीय युवक सड़क हादसे में गंभीर घायल, इलाज के लिए जबलपुर रिफर

तेंदूखेड़ा! , दोपहर मेट्रो

बुधवार को तारादेही थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराजपुर देवरी मार्ग पर ग्राम खमतरा के पास मोटरसाइकिल सवार सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्तू पिता राकेश गौड़ 28 निवासी पुरनयाउ जबेरा अपनी बहिन को लेने धनगौर आया था लेकिन बहिन से मिलने के बाद कहा कि थोडी देर में आ रहा हूं कहकर निकल गया। लेकिन शाम 4.30 बजे खमतरा के पास मोटरसाइकिल सहित सडक के नीचे जा गिरा। जानकारी मिलते ही 100 डायल के पायलट राजेश लोधी एवं सैनिक मनोहर ने घायल को लेकर नगर के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां सत्तू के सिर हाथ पैर में गंभीर चोटों के चलते जबलपुर मेडीकल कांलेज रिफर किया गया हैं। सत्तू के साथ उसका दोस्त सोहेल भी घर से साथ में आया था जो धनगौर में रूक गया था सोहेल ने बताया कि सत्तू मुझसे कहकर गया था कि बमनोदा एक रिष्तेदार के यहां जा रहा हूं लौटकर फिर बहन को लेकर वापिस घर चलेगें। सत्तू देवरी मार्ग पर कैसे पहुंचा एवं एक्सीडेंट कैसे हुआ इसकी मुझे जानकारी नहीं हैं। तारादेही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया हैं।

दुर्घटनाएं कम करने ट्रैक्टर ट्रालियों पर लगाईं रेडियम पट्टी

गंजबासौदा। शहर थाना पुलिस और यातायात पुलिस बुधवार को नई मंडी पहुंची। जहां मंडी में आने वाले ट्रैक्टर ट्रालियों से रात्रि में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैक्टर ट्राली में रेडियम पट्टी लगाई गई । पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी द्वारा दिए गए निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनोज मिश्रा,थाना प्रभारी शहर योगेंद्र परमार, यातायात प्रभारी सूबेदार आशीष राय, मंडी सचिव सुनील कुमार भालेकर एवं समस्त यातायात स्टाफ द्वारा नई गल्ला मंडी में ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर रेडियम पट्टी लगाई गई। क्योंकि रात्रि के समय ट्रैक्टर ट्राली में रेडियम ना लगा होने के कारण दुर्घटनाओं की संभावनाएं बढ़ जाती है, ट्रैक्टर ट्राली के कारण होने वाली दुर्घटनाओं एवं जनहानियों को कम करने के उद्देश्य से ट्रैक्टर ट्राली में रेडियम लगाया गया, साथ ही ट्रैक्टर चालकों को यातायात के नियम, दुर्घटनाओं के कारण एवं उनसे बचने के बारे में जानकारी दी गई। यातायात पुलिस ने बताया कि सड़क पर होने वाली गंभीर दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं दुर्घटना में कोई जनहानि ना हो ऐसे प्रयासों को पुलिस के द्वारा लगातार यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

तीन दिवसीय रामोत्सव का समापन

नर्मदापुर। राम का चरित्र हर स्थिति में हमें आगे बढ़ने की राह दिखाता है। राम को जीवन में अपनाकर ही हम अपने जीवन को आदर्शों के शिखर पर प्रतिष्ठित कर सकते हैं। यह बात बुधवार को समेरिटंस विद्यालय सांदीपनी परिसर में रामोत्सव के समापन अवसर पर प्रमोद शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि राम के जीवन का एक चरित्र ही हमें श्रेष्ठ बना सकता है। इस अवसर पर छात्रा एंजिल ने मानस की चौपाइयां सुनाई जबकि छात्र अक्षत, पार्थ ने भजन प्रस्तुत किया। संस्था के डायरेक्टर डा आशुतोष शर्मा ने एक भजन सुनकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समापन समारोह के अवसर पर विद्यालय में भगवान रामजी की पूजा अर्चना डा. शर्मा और प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत ने की। इसके अलावा संस्था के इटारसी विद्यालय में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वार्ड नं 13 के आंगनबाड़ी केंद्र में अन्न प्रासन कार्यक्रम हुआ आयोजित

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

नगर के सिवनी मालवा के वार्ड क्रमांक 13 में आंगनबाड़ी में मंगलवार को अन्न प्रासन कार्यक्रम किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रीना राहोत ने बताया कि शासन की योजनानुसार आंगनबाड़ी में विभिन्न आयोजन उत्सव किए जाते हैं आज भी मंगल दिवस के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र गोटियापुरा में कार्यक्रम में अतिथि वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शिव राठौर पत्रकार संतोष सिंह चंदेल आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक आसमा खान आदि की उपस्थिथि में आंगन बाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मातृशक्ति की उपस्थिथि में वार्ड की नेहा बर्डे के बेटे वेदांश को अतिथियों ने तिलक लगाकर हार माला पहनाकर मीठी खीर खिलाकर अन्न प्रासन कराया गया सभी ने अन्न प्रासन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक आसमा खान द्वारा स्तनपान पूरक आहार की जानकारी वेदांश की माता एवं सभी मातृशक्ति को बताई गई। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कुसुम गोहर रीना राहोत अफरोज कुरैशी सहायिका भारती केवट नेहा बर्डे हाजरा बेगम सरोज मीणा सीमा बाथब निशा मेश्राम ऋतु बाथब मेघा बाथब संजना बाथब के साथ बड़ी संख्या में आंगन बाड़ी कार्यकर्ता सहायिका मातृशक्ति वार्ड वासी उपस्थित थे।

मेट्रो स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय प्री प्राइमरी भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप शील्ड तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता प्री-प्राइमरी (नर्सरी कक्षा से यूकेजी कक्षा) हेतु आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। उन्होंने अपना विषय अच्छे से तैयार कर अपना भाषण प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। बच्चों ने अपने भाषण के विषय से संबंधित सुंदर वेशभूषा में मंच पर आकर प्रतियोगिता को और भी आकर्षक बना दिया।

प्रतियोगिता के अतिथि/ निर्णायक डॉ. वसुधा तिवारी, डॉ. उमंग अग्रवाल, डॉ. सत्या दुबे, डॉ.नंदिनी मालवीय तथा डॉ. शुभांजलि चौधरी थे। निदेशक श्रीमती जूही चटर्जी तथा प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. उमंग अग्रवाल ने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि मंच पर इस तरह आत्मविश्वास के साथ बोलने से हम काबिल बनते हैं तथा विषय से संबंधित ज्ञान भी प्राप्त करते हैं। डॉ.वसुधा तिवारी ने बताया कि शिक्षा तो सभी विद्यालय संस्थानों में विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है किंतु संस्कृति व संस्कारों से जोड़ने का उत्तम कार्य स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा बहुत अच्छे से किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार स्वरूप शील्ड तथा प्रमाण-पत्र दिए गए। प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल भाषण की कला को सिखाना नहीं बल्कि सार्वजनिक बोलने के कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करना था। इस तरह आत्मविश्वास बढ़ाकर बच्चे हर लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

परिशिष्ट ट
प्रारूप-ण
(नियम 22 (क) (6) देखिए)
धारा 30-क के अधीन भू-खण्डों के विलियन हेतु सार्वजनिक सूचना

क्रमांक BPLLPO3102459919/ दिनांक / 22/JAN/2025
क्र./1567/नग्रानि/Bhopal दिनांक 21/JAN/2025

जनसामान्य की जानकारी हेतु एतदद्वारा, यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/मेसर्स (Vimal Chandra Shukla)-Mr.Vimal Chandra Shukla S/O Shri Suresh Chandra Shukla जो नगर/ग्राम Misrod के खसरा क्रमांक हेतु आदेश क्रमांक BPLLP5327 दिनांक 2019-07-03 द्वारा स्वीकृत अभिन्यास में स्थित RESIDENTIAL, SELF RESIDENCE प्रयोजन के भू-खण्ड क्रमांक अ-38, अ-39 को स्वामी हैं, और श्री/श्रीमती/मेसर्स (Vimal Chandra Shukla)-Mr.Vimal Chandra Shukla S/O Shri Suresh Chandra Shukla जो नगर Kolar ग्राम Misrod के खसरा क्रमांक 67/1/3 (शामिल खसरा-68/3 (शामिल खसरा-79 (शामिल खसरा 80 (शामिल खसरा 81 (शामिल खसरा - 82, 83/7/2) में स्थित भूमि के हेतु आदेश क्रमांक BPLLP5327 दिनांक 2019-07-03 द्वारा स्वीकृत अभिन्यास में स्थित RESIDENTIAL, SELF RESIDENCE प्रयोजन के भू-खण्ड अथवा नगर / ग्राम Misrod खसरा क्रमांक 67/1/3 (शामिल खसरा-68/3 (शामिल खसरा - 79 (शामिल खसरा- 80 (शामिल खसरा 81 (शामिल खसरा- 82, 83/7/2)रकबा 0.025 भूमि जिसका भूमि उपयोग RESIDENTIAL है, के स्वामी है द्वारा उपरोक्त भू-खण्ड/भू-खण्ड एवं भूमियों के विलियन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

कोई भी हितबद्ध व्यक्ति उक्त विलियन के बारे में अपनी आपत्ति या सुझाव इस सूचना प्रकाशन के पंद्रह दिन के भीतर, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय अथवा https://dtcp.mp.gov.in/alpass/Web/Objection.aspx?RefApp=aOo5317Wwk पर प्रस्तुत कर सकेगा। पूर्व स्वीकृत अनुज्ञा के ब्यौरे तथा मर्जर की जा रही भूमि / भूखण्ड का हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा निरीक्षण उपरोक्त कार्यालय में कार्यालयीन समय के दौरान अथवा website https://dtcp.mp.gov.in/alpass/Web/uLogin.aspx पर किया जा सकता है।

संयुक्त संचालक,
नगर तथा ग्राम निवेश,
भोपाल मध्यप्रदेश,

एसपी ने देर रात किया थानों का निरीक्षण

गुंडा बदमाशों पर रखें कड़ी नजर : एसपी

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने देर रात्रि में थाना शहर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने के विभिन्न पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया।

साथ ही पुलिस कर्मचारियों को सतर्क रहकर गश्त करने और थाना मुख्यालय से अनुपस्थित रहने से बचने के निर्देश दिए गए।

रजिस्टरों को रखें अपडेट

थाने के सभी रजिस्टरों को अपडेट रखने और वहीं मालखाने, हवालात आदि की नियमित जांच करने और थाने की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

गुंडा-बदमाशों रखें नजर थाना क्षेत्र के गुंडा बदमाशों पर कड़ी नजर रखने और महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों की शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

कर्मचारियों की सुनी समस्याएं

पुलिस कर्मचारियों की समस्याओं को ध्यान से सुना गया और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने अपने निरीक्षण के दौरान थाना पुलिस को आम जनता की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित किया।

प्राथमिक शिक्षक शर्मा निलंबित

सिरोंज। विदिशा जिला शिक्षा अधिकारी आरके ठाकुर ने शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने एवं शैक्षणिक संस्था में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने पर नटेरन विकासखंड की शासकीय प्राथमिक शाला, कुमरगढ़ा में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक अनिल कुमार शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया गया है। प्राथमिक शिक्षक अनिल कुमार शर्मा का मुख्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय विदिशा रहेगा। प्राथमिक शिक्षक को निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

नगर पालिका परिषद की 9 महीने बाद हुई बैठक

मीटिंग में जमकर हुआ हंगामा विरोध के बीच एजेंडा हुआ पास

हाय हाय के गूंजे नारे, विधायक प्रतिनिधि ने संभाला मोर्चा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

9 महीने के लंबे इंतजार के बाद बुधवार को नगर पालिका परिषद की बैठक आयोजित हुई जिसमें जोरदार हंगामा देखने को विरोधी पार्षद के साथ सत्ता पक्ष के कई पार्षदों ने अनियमिताओं के गंभीर आरोप लगाए विरोधी पार्षदों ने तो हाय हाय के नारे लगाते हुए जमकर हंगामा करने लगे तो विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव ने मोर्चा संभालते हूऐ एजेंडा अपने हाथ में लेकर बोलो सभी प्रस्ताव पास बैठक खत्म का ऐलान करके अध्यक्ष उपाध्यक्ष और सत्ता पक्ष के पार्षद बैठक से बाहर चले गए इसके बाद विरोधी पार्षद ने तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि हम बैठक का बहिष्कार करते हैं बैठक कक्ष में ही विरोधी पार्षदों ने अध्यक्ष उपाध्यक्ष और अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए हाय हाय के नारे लगाए हुए हंगामा किया।

इससे पहले 11:00 बजे मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू ने 48 बिंदुओं का एजेंडा पढ़कर सुनाया तो सत्ता पक्ष के पार्षद प्रतिनिधित्व तोष मणी ने वार्ड नंबर 2 के एक काम को लेकर नाराजगी जताते हुए बैठक कक्ष की टेबल के बीच में जमीन पर बैठकर अपना विरोध कर रहे थे। दूसरी ओर पार्षद जय नारायण सेना ने प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार करने वाले कर्मचारियों को तत्काल निलंबित करने की की मांग का मुद्दा उठाते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए थे मौके पर ही कार्रवाई की मांग कर रहे थे जमकर खींच भी इन्होंने निकाली इसके अलावा अन्य सत्ता पक्ष के पार्षदों ने भी सुनवाई नहीं होने और जनता के हित में काम नहीं करने के आरोप परिषद के कर्मचारियों अधिकारियों पर लगाते हुए विरोध जताया पहले सत्ता पक्ष के पार्षदों ने विरोध दर्ज करने के लिए हंगामों किया तो इसकी बात का फायदा उठाते हुए विपक्षी वार्डकमांक 20 के पार्षद ने आरोप लगाते हुए बैठक में कहा कि एजेंट में 20 का एक भी कम शामिल नहीं किया गया क्या मेरा वार्ड नगर पालिका के क्षेत्र में नहीं आता है मैं ईवीएम की मेहरबानी से नहीं जीता हूं मुझे जनता ने

अपना जनमत देकर पहुंचा है क्या इसलिए मेरी सुनवाई नहीं होती मैं समाजवादी पार्टी से आता हूं इसलिए मेरे वार्ड के साथ भेदभाव किया जा रहा है इसका कारण बताएं हंगामा बढ़ने लगा इसी दौरान विपक्षी पार्षद नदीम खन, रामदयाल विश्वकर्मा, खालिद मोहम्मद ने भी परिषद की बैठक को तानाशाही बताने लगे नदीम खान ने तो नगर पालिका अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष और परिषद को तानाशाही बताते हुए चिल्ला चोट करते हुए जमकर नारे लगाए है हाथों में एजेंडा लेकर उसका विरोध कर रहे थे। यह अध्यक्ष , उपाध्यक्ष, सीएमओ के समीप पहुंचकर अपनी बात टेबल ठोकर कर चिला चिला कर बोल रहे थे कि हम ऐसी परिषद पहली बार देखी जिसमें अध्यक्ष मूर्ख दर्शक की तरह बैठे रहते हैं इनकी एक चपरासी भी नहीं सुनता है तोष मणी पंथी ने तो परिषद भंग करने की बात भी कहीं।यहां जनता हित में कोई काम नहीं हो रहा केवल भ्रष्टाचार हो रहा है खुलेआम 20 प्रतिशत का खेल चल रहा है। घटिया काम करने वाले ठेकेदारों काम दिया जा रहा है, जिनके द्वारा केवल निर्माण कार्य करने के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है सफाई कर्मचारी की जरूरत है उनको नहीं बढ़ाया जा रहा है।नियमों के विपरीत काम हो रहे हैं हंगामा को देखते हुए विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव ने मोर्चा संभालते हुए एजेंडा के समर्थन में सत्ता पक्ष के पार्षदों के हाथ उठाकर बैठक को खत्म कर दी एवं अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ के साथ सत्ता दल के पार्षद बाहर आ गए।

इनका कहना है

तानाशाही हो रही है हम बैठक का बहिष्कार करते हैं जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है जनता की कोई सुनवाई नहीं रही 20 : का खेल चल रहा है भ्रष्टाचार करने वाले ठेकेदारों को कम दिया जा रह है।

-नदीम खान प्रतिपक्ष नेता।

जिन बिंदुओं पर पार्षद ने विरोध जताया है उनको शामिल नहीं करेंगे, प्रधानमंत्री आवास योजना का मामला पुराना है उसकी हम जांच करवा रहे हैं एजेंडा सब की सहमति से पास हुआ है।

-राम प्रकाश साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी

राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पुलिस ने तकनीकी दल के साथ किया निरीक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

बुधवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत यातायात पुलिस के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग के तकनीकी अधिकारियों ने मिलकर संयुक्त रूप से जायजा लिया ओर दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में विचार विमर्श किया यातायात प्रभारी रितेश वाघेला तथा राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारी शिवराज मीणा तकनीकी प्रबंधक के साथ संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। जिससे महलुआ चौराहा पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी हो सके और किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सकें उसके संबंध में बारीकी से जांच पड़ताल की श्री बाघेला ने बताया. महलुआ चौराहे के चारों तरफ लगभग 250 कि मी. तक सड़क का चौड़ीकरण हो, साथ ही शोल्डर भरे जाए , चारों तरफ थर्मोप्लास्ट पेंट की सेंटर और साइड लाइन मार्किंग की जाए, चौराहे पर चारों ओर पैदल लोगों के लिए जेब्रा क्रॉसिंग बनाए, चौराहे के चारों तरफ के ब्लाइंड अतिक्रमण और रोड़ पर लगे बिजली के खंभे हटाए जाना है. लाइट स्टड,साइन बोर्ड और रिफ्लेक्टर लगाए जाए।

अतिक्रमण हटाने, सीमांकन कर पंचायत को सुर्पुद

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में समस्त एसडीएम द्वारा कार्यक्षेत्रों में चरनोई भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने का कार्य अभियान के रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है। बासौदा अनुविभाग क्षेत्र में एसडीएम विजय राय के मार्गदर्शन में तहसीलदारो द्वारा विशेष पहल कर अतिक्रमण हटाने के कार्यो का सम्पादन मुहिम के रूप में किया जा रहा है। अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती सविता पटेल और अधीनस्थ राजस्व निरीक्षक, पटवारी के द्वारा ग्राम मालीखेडी में स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 25/1/1 रकवा 1.019 हेक्टेयर शासकीय भूमि का सीमांकन कर मौके पर सुरक्षित करवाई गई है। यहां अतिक्रमण हटाने के उपरांत उक्त भूमि ग्राम पंचायत सरपंच व ग्रामवासियों की उपस्थिति में गौ-शाला संवर्धन कार्यो के उपयोग में लाए जाने हेतु सौपने का कार्य किया गया है अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती पटेल ने बताया कि ग्राम मालीखेडी में अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि का बाजार मूल्य 25 लाख रूपए आंकलित किया गया है। उक्त भूमि का गौवंश चारे के लिए सुरक्षित रखने हेतु सीमांकन कर पंचायत के सुर्पुद करने की कार्यवाही मौके पर संपादित की गई है। उक्त कार्य राजस्व निरीक्षक रवि पंथी और पटवारी सुश्री चन्द्रिका शर्मा के द्वारा संपादित की गई है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा पानी के पाउच और नमूने लिए

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विदिशा जिले में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जाने के साथ-साथ खाद्य प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश खाद्य सुरक्षा प्रशासन को दिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती एडमिन की पन्ना ने प्राप्त निर्देशों के परिपालन में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है इसी कड़ी के तहत आज बेसनगर स्थित मां घंटियाली (पैकेजिंग ड्रिंकिंग वाटर प्लांट) का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान बिना बेच नम्बर तथा मैन्युफैक्चरिंग एक्सपायर डेट के पानी के पाउच पाए जाने पर पानी के पाउच के सैम्पल एकत्रित किये गए तथा आइकन ब्रांड के पेकेजेडेड ड्रिंकिंग वाटर के नमूने जांच हेतु एकत्रित किये गए हैं। उक्त नमूने मानक स्तर की जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जाने की कार्यवाही की जाएगी।

गणतंत्र दिवस पर रोशनी के निर्देश

सिरोंज। विदिशा गणतंत्र दिवस की सायंकाल को जिले के सभी सार्वजनिक भवनों एवं राष्ट्रीय महत्व की इमारतों पर प्रकाश की व्यवस्था करने के निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी कर दिए गए है।

मुस्लिम महासभा के संस्थापक आठवीं बरसी के मौके पर कुरानखानी और मदरसे के बच्चों को नाश्ता कराया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मुस्लिम महासभा के संस्थापक मरहूम यूनूस शेख सहाब की आठ वीं बरसी के मौके पर मदरसा इस्लामिया बड़ी फाटक में मदरसे के बच्चों से कुरानखानी करके मरहूम यूनूस शेख साहब की मगफिरत की दुआ की और शेख साहब ने जिस मकसद के लिए मुस्लिम महासभा की स्थापना की उन सभी बातों पर प्रकाश डाला उसके मदरसे बच्चों को नाश्ता कराया मुस्लिम महासभा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद शोएब खांन और ब्लाक अध्यक्ष अल्ताफ खांन, हाफिज शमस कमर, हाफिज शाफीक, आबिद खांन आदि मौजूद रहे।

अभिभाषक संघ चुनाव के लिए प्रक्रिया हुई प्रारंभ, अध्यक्ष के लिए कपिल त्यागी और अशोक कुमार निगम में मुकाबला

सिरोंज। अभिभाषक संघ के चुनाव की सर गर्मी तेज हो गई हैं। बुधवार से नामांकन भी प्रारंभ होगा जिसमें पहले दिन अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सहसचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय प्रभारी के नामांकन फॉर्म अभिभाषक संघ के द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी प्रकाश शर्मा एडवोकेट के समक्ष अपने नामांकन फॉर्म जमा किए गए हैं। इन आवेदनों की जांच गुरुवार को होगी तथा आवेदन वापसी भी इसी दिन की जा सकेगी अभिभाषक संघ के चुनाव इस वर्ष स्टेट बार काउंसिल ऑफ जबलपुर के अनुसार संपन्न कराये जा रहे हैं। 2 वर्ष के लिए पदाधिकारी चुने जाएंगे अभिभाषक संघ वर्तमान के अध्यक्ष कपिल त्यागी ने फिर से अध्यक्ष के लिए नामांकन फार्म समर्थकों के साथ जमा किया एडवोकेट अशोक कुमार निगम ने भी अध्यक्ष पद हेतु अपने नामांकन फार्म अपने समर्थकों के साथ चुनाव अधिकारी प्रकाश शर्मा एडवोकेट को जमा किए उपाध्यक्ष पद हेतु सीनियर वकील, काशीराम रघुवंशी एवं सचिन शर्मा एवं सचिव पद हेतु हेमंत श्रीवास्तव, नितेश गुजराती एवं कोषाध्यक्ष के रितेश अग्रवाल एवं सोनू कुर्मी एडवोकेट ने अपने नामांकन फार्म जमा किए ओर सह सचिव पद के लिए राजकुमार शर्मा एडवोकेट ने एवं पुस्तकालय प्रभारी मनोहर रघुवंशी द्वारा नामांकन फॉर्म चुनाव अधिकारी प्रकाश शर्मा को जमा किया है अभिभाषक संघ के चुनाव 24 जनवरी 2025 को अभिभाषक संघ कक्षा में होगा मतदान प्रात 11 बजे से शुरू होगा इसी दिन मतगणना होगी एवं विजय प्रत्याशी घोषित किए जाएंगे सभी पदों के उम्मीदवारों ने अपना-अपना प्रचार शुरू कर दिया है। इस बार अध्यक्ष पद पर कांटे की टक्कर दिखाई दे रही है। अब ऊंट किस करवट बैठेगा यह तो 25 को ही पता चलेगा।

मेट्रो एंकर चयन परिक्षा में उर्दू शिक्षकों के पद न निकालने से निराशा

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष सहित आला नेताओं से लगाई गुहार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

हाल ही में कर्मचारी चयन मंण्डल भोपाल द्धारा प्रदेष के शासकीय मिडिल स्कूलों में षिक्षकों की भर्ती हेतु चयन परीक्षा का विज्ञापन जारी किया है पर इस विज्ञापन में उर्दू का एक भी पद न देने से पात्रता परीक्षा उर्त्तीण अभियार्थीयों एवं मिडिल स्कूलों में अपने उर्दू षिक्षक का इंतेजार करने वाले विद्यार्थीयों में निराषा नजर आने लगी है।

उर्दू विषय के पद निकालकर भर्ती कराने की मांग की

इस संबंध में उर्दू विषय के पात्र अभियार्थीयों का नेतृत्व करते हुए कलाम एजुकेषन सोसायटी के संरक्षक डॉ.रजी खांन रियाजत ने भाजपा अल्पसख्यंक मोर्चे के अमीन मंसूरी एवं मिर्जा सोहेल बैग के नेतृत्व में भोपाल पहंचकर भाजपा अल्पसख्यंक मोर्चे के प्रदेष अध्यक्ष एम एजाज खान और म0प्र0वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ.सनवर पटेल से गुहार लगाकर स्कूल षिक्षा मंत्री राव उदय प्रदाप एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव का ध्यान इस और आकर्षित कराते हुए स्कूल षिक्षा विभाग को निर्देषित करने एवं कर्मचारी चयन मंण्डल द्धारा भर्ती विज्ञापन संधोधित कर

मिडिल स्कूलों में उर्दू विषय के पद निकालकर भर्ती कराने की मांग की है।

उर्दू शिक्षकों की जानकारी विभाग से मांगने पर आती निल

डॉ.रजी खांन ने बताया कि अधिकांष स्कूल ऐसे है जहां विद्यार्थी उर्दू पढ़ना चाहते है परंतु षिक्षक के आभाव में उन्हें संस्कृत या अन्य भाषा पढाई जा रही है ऐसे में जब उर्दू षिक्षकों की जानकारी विभाग मांगता है तो जानकारी निल आती है वही कई स्कूलों में पद स्वीकृत है और अतिथि षिक्षक कार्यरत है एवं पूर्व में कई स्कूलों में उर्दू षिक्षक थे जो सेवानिवृत्त या स्थानातरित हो गए उसके बाद उन स्कूलों में उर्दू षिक्षक नही भेजा गया यहां तक की पद समाप्त कर दिया गया इसके साथ ही डॉ रजी खान ने कहा कि एक और मिडिल स्कूलों में संस्कृत के लगभग 400 पद एवं हिन्दी के लगभग 500 पद विज्ञापन में जारी किए गए है जिससे संबंधित विषय के अभियार्थीयों में उत्साह है तो वही पात्रता परीक्षा में उर्दू विषय से कई अभियार्थी परिक्षा उर्त्तीण कर चुके है परन्तु चयन परिक्षा में उर्दू विषय की भर्ती न किए जाने से निराषा है।

गौरतलब है कि कर्मचारी चयन मंण्डल स्कूल षिक्षा विभाग में षिक्षक भर्ती हेतु दो परिक्षाए आयोजित कराता है जिसमें पात्रता एवं चयन परीक्षा शामिल है।

डीपीआई में अधिकारियों को भी करा चुके हैं अवगत

डॉ.खांन ने बताया कि इस संबंध में वह डीपीआई भोपाल में विभागीय अधिकारियों को भी अवगत करा चुके है साथ ही अब भाजपा अल्पसख्यंक मोर्चे के प्रदेष अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं से गुहार लगाई है ताकि उर्दू विषय के पदों पर भर्ती हो सकें।

भारतीय टीम बदली कप्तान भी बदला...

दो खिलाड़ियों को छोड़कर पूरा बल्लेबाजी क्रम नया

नई दिल्ली . एजेंसी

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो चुकी है। रोहित शर्मा की अगुआई में 15 सदस्यीय टीम दुबई जाएगी। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। वहीं, बाकी टीमें अपने मैच पाकिस्तान में खेलेंगी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट का फाइनल नौ मार्च को खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट आठ साल बाद खेला जाएगा। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है। 2017 में इंग्लैंड की मेजबानी में हुए पिछले संस्करण में फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराया था। तब की भारतीय टीम और मौजूदा भारतीय टीम में काफी बदलाव आए हैं। कई खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया तो कुछ अब टीम में नहीं हैं। नौ खिलाड़ी जो पिछले संस्करण में भारतीय टीम का हिस्सा थे, वह मौजूदा टीम में नहीं हैं। भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम तो पूरा बदल गया है। कप्तान रोहित और विराट कोहली को छोड़कर हर बल्लेबाज नया है। आइए जानते हैं...

2017 में कौन-कौन से खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा थे?: 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 16 सदस्यीय भारतीय टीम चुनी गई थी। इनमें आठ बल्लेबाज, चार ऑलराउंडर और चार गेंदबाज थे। तब विराट कोहली कप्तान थे और अनिल कुंबले टीम के कोच थे। विराट के अलावा टीम में बल्लेबाज के रूप में शिखर धवन, एमएस धोनी, दिनेश कार्तिक, अजिंक्य रहाणे, रोहित शर्मा और युवराज सिंह शामिल थे। इनमें से विराट और रोहित को छोड़ दें तो बाकी कोई बल्लेबाज अब टीम का हिस्सा नहीं है। युवी, धोनी, धवन और कार्तिक संन्यास ले चुके हैं। रहाणे टीम में नहीं हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स में आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, केदार जाधव और हार्दिक पांड्या टीम का हिस्सा थे। जाधव और अश्विन संन्यास ले चुके हैं। वहीं, जडेजा और पांड्या अभी भी टीम में शामिल हैं। तेज गेंदबाजी का जिम्मा जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी और उमेश यादव के कंधों पर था। भुवी और उमेश पिछले काफी समय से टीम का हिस्सा नहीं हैं।

मौजूदा भारतीय टीम का हिस्सा कौन-कौन?: मौजूदा टीम के कप्तान रोहित शर्मा हैं और कोच गौतम गंभीर हैं। वहीं, रोहित के अलावा विराट तो हैं, लेकिन बाकी पूरा बल्लेबाजी क्रम बदल गया है। इस टीम में रोहित के साथी ओपनर के तौर पर दो विकल्प हैं। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल टीम का हिस्सा हैं। वहीं, धोनी और कार्तिक के रिप्लेसमेंट के तौर पर ऋषभ पंत और केएल राहुल टीम का हिस्सा हैं। रहाणे की जगह श्रेयस अय्यर टीम का हिस्सा हैं, जबकि युवराज की जगह अक्षर पटेल टीम का हिस्सा हैं। अश्विन की जगह वॉशिंगटन सुंदर और केदार जाधव की जगह एक अतिरिक्त बल्लेबाज टीम का हिस्सा हैं। भुवनेश्वर की जगह कुलदीप यादव और उमेश की जगह अर्शदीप को मौका दिया गया है। यानी मौजूदा टीम के सिर्फ छह खिलाड़ी 2017 में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे और नौ खिलाड़ी बदल गए हैं। ये नौ खिलाड़ी पहली बार चैंपियंस ट्रॉफी खेलेंगे।

तैयारी: 21 मार्च से फिर शुरू होगा आईपीएल का रोमांचक सीजन

नईदिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2025 का पहला मैच 21 मार्च को कोलकाता में खेला जाएगा। यहीं 25 मई को टूर्नामेंट का फाइनल भी होगा। वहीं, विमेंस प्रीमियर लीग का तीसरा सीजन 7 फरवरी से शुरू होकर 2 मार्च तक चलेगा। इस बार का टूर्नामेंट 2 की बजाय 4 वेन्यू पर खेला जाएगा। रिपोर्ट अनुसार आईपीएल कमेटी ने सभी फ्रेंचाइजी को टूर्नामेंट शुरू होने की डिटेल भेज दी है, जिससे कि वे खिलाड़ियों को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दें। कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल की डिफेंडिंग चैंपियन है, टीम ने फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था। आईपीएल का पूरा शेड्यूल जनवरी के आखिर में रिलीज किया जा सकता है।

चैंपियंस ट्रॉफी के कारण देर से शुरू होगा टूर्नामेंट नवंबर में आईपीएल का मेगा ऑक्शन हुआ। जिसके बाद कमेटी ने सभी टीमों को अगले 3 साल का संभावित शेड्यूल बताया था। जिसके हिसाब से इस बार का टूर्नामेंट 15 मार्च से 25 मई तक होना था। हालांकि 9 मार्च को आईपीएल चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेला जाएगा। इसलिए प्लेयर्स को आराम देने के लिए बीसीसीआई ने आईपीएल शुरू होने की तारीख को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया।

18वें सीजन में 74 मैच होंगे 2025 में आईपीएल का 18वां सीजन होगा, टूर्नामेंट 2008 में शुरू हुआ था और तब से हर साल खेला जा रहा है। 18वें सीजन में 10 टीमों के बीच 74 मैच होंगे, इतने ही मैच 2022 से हर सीजन में खेले जा रहे हैं। 2022 में जब आईपीएल ने अपने ब्रॉडकास्टिंग राइट्स बेचे थे, तब कहा था कि 2025 और 2026 के सीजन में 84-84 मैच होंगे। हालांकि प्लेयर्स का वर्कलोड मैनेज करने के लिए कमेटी इस बार 74 मैच ही आयोजित कराने वाली है।

4 मैदानों पर होगा डब्ल्यूपीएल बीसीसीआई ने यह भी तय किया है कि इस बार 4 मैदानों पर खेला जाएगा। पिछले सीजन में मुंबई और बेंगलुरु में सभी मैच हुए थे, इस बार भी दोनों वेन्यू को मेजबानी मिली है। हालांकि इस बार वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम और लखनऊ के इकाना स्टेडियम को भी मेजबानी मिली है। मुंबई में ब्रेबोर्न स्टेडियम में मैच होने हैं। किस वेन्यू पर कितने मैच होंगे, यह शेड्यूल रिलीज होने के बाद ही साफ हो पाएगा। आईपीएल की शुरुआत 2023 में हुई थी। मुंबई इंडियंस ने पहले सीजन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पिछले सीजन का खिताब जीता। दोनों ही टीमों ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था। टूर्नामेंट में 5 टीमों के बीच 22 मैच खेले जाएंगे।

आईपीएल मेगा ऑक्शन- 182 प्लेयर्स बिके, 639.15 करोड़ खर्च सऊदी अरब के जेद्दाह में 2 दिन चला आईपीएल का मेगा ऑक्शन पूरा हो गया। ऑक्शन में 182 खिलाड़ी बिके, इसमें 62 विदेशी खिलाड़ी हैं।

इधर, 19 फरवरी से शुरू होगी चैंपियंस ट्रॉफी

चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक पाकिस्तान और यूएई में खेली जाएगी। इसके 2 सप्ताह बाद आईपीएल शुरू होगा। अगर टीम इंडिया फाइनल में पहुंची तो भी प्लेयर्स के पास रेस्ट के लिए अच्छा-खासा समय रहेगा। डिफेंडिंग चैंपियन के घर में पहला मैच आईपीएल में परंपरा रही है कि डिफेंडिंग चैंपियन टीम के होमग्राउंड पर अगले सीजन का पहला और फाइनल मैच खेला जाता है। 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई में खिताब जीता था। इसलिए अब कोलकाता में ओपनिंग और फाइनल मैच होगा। हालांकि केकेआर का सामना ओपनिंग मैच में किस टीम से होगा, यह अब तक सामने नहीं आया है।

शादी के बाद मेलबर्न में बसी सोनम विश्व कप में कर रही हैं ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी

नईदिल्ली, एजेंसी

खो-खो विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की अगुवाई कर रहीं भारतीय मूल की सोनम गर्ग ने कभी नहीं सोचा था कि स्कूल में खेला गया यह खेल उन्हें अब जाकर विश्व स्तर पर पहचान दिलाएगा। चंडीगढ़ में पली बढी सोनम शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में बस गई थीं। उनका नौ साल का बेटा भी है और वे फाइनेंशियल प्रोफेशनल हैं। सोनम ने एक साक्षात्कार में कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक बच्चे की मां बनने के बाद विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा लूंगी।

बचपन की यादें ताजा हो गई: सोनम ने बताया, 20-22 साल पहले मैं स्कूल में खो-खो खेला करती थी। जब मैंने सुना कि खो-खो विश्व कप हो रहा है तो मैं काफी उत्साहित हो गई। मेरी बचपन की यादें ताजा हो गई। मैंने संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया और ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हो गई। बाद में मुझे टीम की कप्तानी सौंप दी गई।

सोनम गर्ग चंडीगढ़ में अपने स्कूल के दिनों में खो-खो खेलती थीं, लेकिन नौ साल की मां ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह वर्तमान में चल रहे विश्व कप में 10 साल तक अपने देश ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व करेंगी। यहां। सोनम ने पीटीआई भाषा को बताया, मैं चंडीगढ़ में पैदा हुई और पली-बढ़ी और शादी के बाद 10 साल पहले ऑस्ट्रेलिया चली गई। मैं अपने स्कूल के दिनों में भारत में खेलती थी लेकिन वह 20-22 साल थी। इसलिए जब मैंने खो खो विश्व कप के बारे में सुना, तो मैं वास्तव में उत्साहित हो गया क्योंकि इससे मुझे अपने बचपन की यादें ताजा हो गई। मैंने (ऑस्ट्रेलिया में) खो खो समिति से संपर्क किया और टीम में शामिल हो गया। जल्द ही, मैं टीम का कप्तान बन गया। 30 वर्षीय वित्त पेशेवर ने कहा।

मेट्रो बाजार

शुरू हुई शादी की खरीदी: सोने की कीमतों में तेजी से बाजार पर असर

मुंबई, एजेंसी

घरेलू बाजार में शादी ब्याह का मौसम होने की वजह से सोने और चांदी कीमतें बढ़ने के बाद आभूषणों की खरीदारी हो रही है, लेकिन सामान्य खरीदारी धीमी हो गई है। गहनों की खरीदारी करने में एसेट क्लास यानी उच्च वर्ग की ओर से देखने को मिल रही है, जिसमे गोल्ड के साथ डायमंड के आभूषणों की मांग बनी हुई है। बाजार की चाल पर जानकारों की क्या राय है, आइए जानें। जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में शादी ब्याह का मौसम होने की वजह से सोने और चांदी कीमतें बढ़ने के बाद आभूषणों की खरीदारी हो रही है, लेकिन सामान्य खरीदारी धीमी हो गई है। गहनों की खरीदारी करने में एसेट क्लास यानी उच्च वर्ग की ओर से देखने को मिल रही है, जिसमे गोल्ड के साथ डायमंड के आभूषणों की खरीदारी हो रही है। सोने की कीमतें बढ़ने के बाद भी खरीदारी बनी हुई है, लेकिन इसकी गति धीमी हो गई है। साल शुरू होने के साथ ही लोगों अच्छी खरीदारी की थी। क्योंकि जिस तरह की खबरे सोने की कीमतों को लेकर सामने आ रही थी कि सोने कीमतों में तेजी आएगी, इसने साल के पहले दिन की खरीदारी को काफी समर्थन दिया। वे बताते हैं कि शादि ब्याह का सीजन है, इसलिए जो बाजार में खरीदारी हो रही है, वह अनुमान से 20 से 25 प्रतिशत है। सामान्य दिनों की खरीदारी फिलहाल बाजार में नहीं, लेकिन हाई नेटवर्थ वाला वर्ग खरीदारी कर रहा है, जिसमें सोने के साथ वे डायमंड के आभूषणों की खरीदारी कर रहे हैं। मार्च तक काफी शादियां है, जिसकी वजह से बाजार में खरीदारी बनी रहने की संभावना है। सोने की कीमतों की बात करें तो भविष्य में इसके 80,000 रुपये दस ग्राम तक जाने की उम्मीद है। इसकी वजह वैश्विक घटानएं है। जिसमें ट्रंप की नीतियां का डर है तो साथ ही अनिश्चित महौल भी सोने की कीमतों पर प्रभाव डाल रहा है। ज्वेलर्स का कहना है कि अगले महीने बजट पेश होने जा रहा है, इसलिए भी बाजार में सुस्ती है। बजट किस तरह की घोषणाएं होती हैं।

इस पर बाजार और ग्राहकों की नजर बनी हुई है। हालांकि शादी ब्याह के लिए लोग पुराने गहनों को तोड़कर नए गहनें बनवा रहे हैं, जिसमें उन्हें गहनें की बनवाई देनी पड़ती है और यदि उसमें कुछ बढ़ाना हो तो वे कुछ एक से तीन ग्राम तक ही बढ़ोतरी कर रहे हैं। होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसो. का कहना है कि भारत में सोना वित्तीय महत्व रखता है। इसकी कीमतें भले ही बढ़े लोगों में यह एक पसंदीदा निवेश बना हुआ है। घरेलू बाजार में शादियों और त्योहारों में विशेषकर इसकी खरीदारी की जाती है।

आरबीआई: खाद्य महंगाई पर नजर रखने की जरूरत, बेहतर कृषि संभावनाओं से समर्थित ग्रामीण मांग में लगातार तेजी जारी

नईदिल्ली, एजेंसी

आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, 2024-25 की दूसरी छमाही में देश की आर्थिक गतिविधियों वाले उच्च संकेतकों में तेजी आई है। यह तेजी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले वार्षिक अग्रिम अनुमानों में वास्तविक जीडीपी की वृद्धि में भी दिखी है। घरेलू मांग के मजबूत होने से देश की आर्थिक वृद्धि फिर से बढ़ने की ओर अग्रसर है। हालांकि, खाद्य महंगाई पर निगरानी की जरूरत है। आरबीआई ने बुलेटिन में कहा, 2025 के लिए आर्थिक दृष्टिकोण अलग-अलग देशों में भिन्न हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की गति धीमी है। यूरोप व जापान में मामूली सुधार हो रहा है। बुलेटिन के अनुसार, 2024-25 की दूसरी छमाही में देश की आर्थिक गतिविधियों वाले उच्च संकेतकों में तेजी आई है। यह तेजी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले वार्षिक अग्रिम अनुमानों में वास्तविक जीडीपी की वृद्धि में भी दिखी है। दिसंबर में लगातार दूसरे महीने महंगाई में कमी आई है। देखा जाए तो ग्रामीण मांग में तेजी जारी है जो बेहतर कृषि संभावनाओं से समर्थित है। बुनियादी ढांचे पर सार्वजनिक पूंजीगत खर्च में पुनरुद्धार से प्रमुख क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा मिलने की संभावना है। लेख में आरबीआई के विचार नहीं हैं। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

अली अब्बास जफर की कहानी के मुरीद हैं सलमान, अक्षय कुमार ने सुनाए दोस्ती के किस्से

मशहूर बॉलीवुड निर्देशक अली अब्बास जफर ने टशन, झूम बराबर झूम और बदमाश कंपनी जैसी फिल्मों में सहायक निर्देशक के रूप में अपनी यात्रा शुरू की। उन्हें सफलता तब मिली जब उन्होंने 2011 में मेरे ब्रदर की दुल्हन के साथ निर्देशक के रूप में डेब्यू किया। रोमांटिक कॉमेडी ने न केवल उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित किया बल्कि एक शानदार करियर की शुरुआत भी की। तब से, अली अब्बास जफर ने गुंडे, टाइगर जिंदा है और अन्य सहित कई फिल्में दी हैं। उन्होंने इंडस्ट्री के कई सितारों के साथ काम किया है। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ निर्देशक अली अब्बास जफर ने कई फिल्में दी हैं, जिनमें से एक तो अभिनेता के करियर की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म बन गई। दोनों ने टाइगर सीरीज, भारत और सुल्तान जैसी फिल्में दी हैं। कई बार इंटरव्यू के मौके पर अली अब्बास जफर और सलमान खान दोनों ने ही एक-दूसरे की जमकर तारीफ की है। सलमान खान, अली के बारे में कहते हैं कि उन्हें निर्देशक की कहानी बहुत पसंद आती है और सेट पर दोनों अच्छा रिश्ता साझा करते हैं। अक्षय कुमार ने एक्शन फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के लिए अली अब्बास जफर के साथ काम किया था। फिल्म की मेकिंग के दौरान उन्होंने अली अब्बास के साथ खूब मस्ती की थी। इस दौरान कई मौकों पर अक्षय कुमार ने फिल्म में उनका काम आसान बनाने के लिए फिल्म निर्माता अली अब्बास जफर की सराहना की थी। अली अब्बास जफर के साथ उनका दोस्ती वाला रिश्ता है। टाइगर श्रॉफ ने भी 'बड़े मियां छोटे मियां' में अली अब्बास जफर के साथ काम किया था। इस दौरान उन्होंने भी निर्देशक की तारीफों के पुल बांधे थे। उन्होंने कहा था कि मैं एक्शन फिल्मों का शौकीन हूं। मुझे एक्शन फिल्म में अली अब्बास जफर और अक्षय कुमार के साथ काम करने का मौका मिला, इसके लिए मैंने निर्देशक का शुक्रगुजार हूं। उनके साथ काम करना एक अच्छा अनुभव रहा है। कैटरीना कैफ भी अली अब्बास जफर के साथ कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

सैफ अली खान सर मैं शर्मिंदा हूं, मुझे माफ कर दीजिए, उर्वशी ने मांगी माफी

सैफ अली खान पर बीते दिनों जानलेवा हमला हुआ। तमाम फिल्मी सितारे उनसे मिलने पहुंच रहे हैं। कुछ ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एक्टर के साथ हुई घटना पर चिंता जताई। इस बीच उर्वशी रौतेला एक्टर से माफी मांगती दिखी हैं। कुछ ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एक्टर के साथ हुई घटना पर चिंता जताई और उनकी सेहत के लिए दुआ कर रहे हैं। वहीं, अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने इस पूरे घटनाक्रम के एक दिन बाद आज इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने सैफ अली खान से माफी मांगी है। उर्वशी रौतेला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने सैफ अली खान से माफी मांगते हुए उनके साथ हुई घटना पर अफसोस जताया है। उर्वशी ने लिखा है, प्रिय सैफ अली खान सर, मुझे उम्मीद है कि यह पोस्ट आपको मजबूत बनाएगा। मैं यह पोस्ट बहुत ही दुख और अपराधबोध के साथ लिख रही हूं। अब तक मैं इस बात से अनजान रही कि आपके साथ क्या हुआ है? आपके साथ हुई घटना की गंभीरता से मैं रूबरू नहीं थी। उर्वशी ने आगे लिखा है, मैं इस बात पर शर्मिंदा हूं कि मैं अपनी फिल्म डाकू महाराज की सफलता का जश्न मना रही हूं। आप किस हालत में हैं और आप पर क्या बीत रही है, इस बात से बेखबर मैं गिफ्ट ले रही हूं। मुझे माफ कर दीजिए। आपको नजरअंदाज करने, इतना असवेंदनशील होने के लिए प्लीज मुझे माफ कर दीजिए। मुझे जैसे ही मामले की गंभीरता का पता चला, मैं बहुत दुखी हूं। मैं आपके सपोर्ट में हूं। आपके साहस और सहनशीलता के आगे मैं नतमस्तक हूं। मुझे अपने व्यवहार के लिए खेद है। अगर मैं किसी भी तरह की मदद या सपोर्ट कर सकती हूं तो प्लीज आप बिल्कुल भी न हिचकिचाएं। अपने व्यवहार के लिए एक बार फिर आपसे माफी मांगती हूं।

'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन' बनकर बढ़ेंगी 'चैना' की मुश्किलें

नए साल में शेमारू उमंग अपने दर्शकों के लिए नया शो 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन' लेकर आने के लिए तैयार है। शो का प्रोमो भी रिलीज हो चुका है। प्रोमो में इसकी मुख्य किरदार 'चैना' का परिचय कराया गया। शो में चैना का किरदार अभिनेत्री दीक्षा धामी निभा रही हैं। बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन' की कहानी राजस्थान की शानदार पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो एक भव्य हवेली में परिवार, परंपरा और सत्ता के संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। चैना एक होशियार और दयालु गांव की लड़की है, जो हमेशा जीवन की चुनौतियों से निपटने के लिए चतुराईपूर्ण तरीके खोजती है, लेकिन जब परिस्थितियां उसे देहाती गलियों से एक शानदार हवेली में ले आती हैं, तो उसकी दुनिया बदल जाती है। प्रोमो में संघर्ष के एक दिलचस्प सीन को दिखाया गया है। 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन' में चैना की घमंडी भाभी का किरदार इशिता गांगुली ने निभाया है, जो मानती है कि सबसे बड़ी बहू होने के नाते उसे परिवार की विरासत की गारंटी है। हालांकि, एक चौंकाने वाले मोड़ में, हवेली की चाबियां चैना को सौंप दी जाती हैं। यह निर्णय सभी को हैरान कर देता है और सवाल उठता है कि चैना को इतनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए क्यों चुना गया? दीक्षा धामी 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन' में मुख्य भूमिका में आने से बेहद उत्साहित हैं। इस पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा, फ्हर कहानी अपनी नींव पर बनी होती है और जो चीज इस शो को सबसे अलग बनाती है, वह है इसके किरदारों को दी गई गहराई और दिल। मेरी भूमिका 'चैना' सिर्फ एक और किरदार नहीं है; वह एक मजबूत, उत्साही लड़की है जिसकी एक दिलचस्प बैकस्टोरी है, जो उसे प्रेरणादायक बनाती है। यह किरदार काफी दिलचस्प भी है। अभिनेत्री ने आगे कहा, इस नए साल की शुरुआत ऐसे शानदार मौके के साथ करना मेरे लिए सबसे अच्छा तोहफा है।

रानी कमलापति स्टेशन का मामला

एसी कोच में चोरी करने वाला 5 सदस्यीय गिरोह गिरफ्तार, 3 लाख का माल बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जीआरपी रानी कमलापति ने एसी कोच में चोरी करने वाले 5 सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर गिरफ्तार किया है। आरोपियों से तीन लाख रुपए का माल बरामद किया गया है। पूछताछ में उन्होंने अन्य ट्रेनों में भी चोरी की वारदातें करने की बात स्वीकारी है। उनसे 8 लाख रुपए का माल चोरी होने का खुलासा हुआ है। जीआरपी यह माल बरामद करने का प्रयास कर रही है। गिरफ्तार आरोपी बिहार के रहने वाले हैं। वह एसी कोच में रिजर्वेशन करवाकर सफर करते थे और रात के समय यात्रियों का माल चोरी कर उतर जाते थे।

अन्य ट्रेनों से चुराए गए 8 लाख के माल का खुलासा, माल जब्त करने का प्रयास कर रही जीआरपी

जीआरपी के अनुसार विवेक विशाल (36) राजेंद्र नगर इंदौर के रहने वाले हैं। एक महीने पहले 19 दिसंबर को वह पत्नी प्रीति विशाल और बेटी अंकिशा विशाल के साथ नर्मदा एक्सप्रेस के एसी कोच में जबलपुर से इंदौर की यात्रा कर रहे थे। उनके पास चार ट्राली बैग और दो सामान्य बैग थे, जिनकों उन्होंने सीट के नीचे रखा था। रात करीब 12 बजे तीनों लोग अपनी अपनी सीट पर सो गए थे। इस दौरान सामने वाली सीट पर एक युवक लेटा हुआ था, जो बार-बार उनके बैग की तरफ देख रहा था। सुबह करीब सवा 6 बजे ट्रेन रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो सामने वाली सीट पर बैठा युवक नजर नहीं आया। विवेक ने जब सीट के नीचे रखे अपने बैग देखे तो उनके 2 ट्रॉली बैग चोरी हो चुके थे। बैग के अंदर सोने का मंगलसूत्र, कान के झाले, नाक की नथ, ए जोड़ी कान के टॉप्स, मांग का टीका, एक सोने की अंगूठी डायमंड लगी, चांदी की पायल, बिछिया, पांच हजार रुपए नकदी समेत करीब सवा 3 लाख रुपए का सामान था। जीआरपी ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

रिजर्वेशन चार्ट से पकड़ाए आरोपी

जीआरपी ने कोच के रिजर्वेशन चार्ट की जानकारी निकाली और उसके बाद बिहार के रहने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम संजय खलीफा उर्फ लठवा (38), आलोक कुमार (42), प्रमोद कुमार श्रीवास्तव (50), नरेश शर्मा (48) और किशोर नट (44) बताए गए। प्रमोद कुमार लखनऊ का रहने वाला है, जबकि बाकी चारों आरोपी बिहार के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का करीब तीन लाख रुपए का माल बरामद किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने महाकौशल एक्सप्रेस में ग्वालियर आउटर तथा प्रयागराज एक्सप्रेस में खंडवा स्टेशन पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकारा है। दोनों ट्रेनों में बदमाशों ने करीब 8 लाख रुपए का माल चोरी किया था, जिसे बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

भोपाल। गुनगा इलाके में बाइक सवार एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक ग्राम बेरखेड़ी निवासी फारूख खां (38) बीती पंद्रह जनवरी को अपने मामू के घर ग्राम धमर्रा गया था। रात करीब साढ़े नौ बजे वापस लौटते समय मुड़ियाखेड़ा जोड़ के पास दुपाडिया रोड पर अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। मंगलवार को बड़े भाई फरीद खां ने थाने जाकर अज्ञात वाहन के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पिस्टल लेकर घूम रहा बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। गौतम नगर पुलिस ने लोडेड पिस्टल लेकर घूम रहे एक एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार की रात करीब साढ़े सात बजे सूचना मिली कि एक युवक लोडेड पिस्टल लेकर यूनियन कार्बाईड फैक्टरी के पास किसी वारदात की नीयत से घूम रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर संदेही युवक को दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास 32 बोर की एक पिस्टल और एक कारतूस मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अल्ताफ खान पुत्र सईद मुल्ला (22) निवासी भानपुर मल्टी थाना छोला मंदिर बताया। आरोपी के खिलाफ पहले से छोला मंदिर में मारपीट और अड़ीबाजी के केस दर्ज हैं। इधर जहांगीराबाद पुलिस ने झदा कालोनी के पास अरबजा कुरैशी निवासी तलैया को छुरी के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ भी आर्म्स एक्ट का केस दर्ज कर लिया गया है।

नगर सुरक्षा सदस्य के साथ मारपीट

भोपाल। बैरसिया इलाके में रहने वाले नगर सुरक्षा सदस्य के साथ एक युवक ने मारपीट कर दी। आरोपी ने मुखबिरी का आरोप लगाते हुए मारपीट की थी। जानकारी के अनुसार विष्णु सेन (36) ग्राम शाहपुर थाना बैरसिया का रहने वाला है और नगर सुरक्षा का सदस्य है। सोमवार की शाम करीब पांच बजे वह सब इंस्पेक्टर के साथ ग्राम कढ़ैयाशाह पहुंचा था। एसआई ने उसे एक आरोपी का खेत पता लगाने के लिए भेजा। रास्ते में आरोपी के एक परिचित जगदीश मीणा मिल गया। विष्णु उससे खेत की जानकारी लेनी चाही तो जगदीश ने मुखबिरी का आरोप लगाते हुए उसके साथ मारपीट की दी अंगुली में दांत से काट लिया, जिससे खून बहने लगा। सूचना मिलते ही एसआई मौके पहुंचे तो जगदीश वहां से भाग निकला। बाद में विष्णु ने थाने जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

छात्रा के साथ सहपाठियों ने की मारपीट

भोपाल। नजीराबाद इलाके में रहने वाली एक स्कूली छात्रा के साथ सहपाठियों ने घर जाते समय मारपीट कर दी। पुलिस ने मारपीट करने वाले तीन लड़कों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी नजीराबाद स्थित सरकारी स्कूल में ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ती है। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे वह स्कूल से छुट्टी होने के बाद पैदल घर जा रही थी। इसी दौरान स्कूल में साथ पढ़ने वाले तीन छात्रों ने उसे रास्ते में रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। छात्रा ने जब गाली देने से मना किया तो तीनों ने उसके साथ मारपीट कर दी। मौके पर पहुंची सहेलियों ने बीच-बचाव किया। लड़कों ने धमकी दी कि घरवालों से शिकायत की तो उसे जान से खत्म कर देंगे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

शराब के धोखे में पिया एसिड, मौत

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव रतुआ लालघाटी में एक युवक ने शराब के धोखे में एसिड पी लिया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार लेखसिंह रावत (45) ग्राम लालघाटी रतुआ थाना गुनगा में रहता था और मजदूरी करता था। सोमवार को उसने शराब के धोखे में एसिड पी लिया था। परिजनों ने उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था, वहां मंगलवार को इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गेट पर खड़े यात्री के हाथ पर डंडा मारकर मोबाइल छीना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमलापति रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर आउटर पर अज्ञात बदमाश ने पठानकोट एक्सप्रेस में सफर कर रहे यात्री के हाथ पर डंडा मारकर मोबाइल छीन लिया। छीने गए मोबाइल की कीमत 23 हजार रुपए बताई जा रही है। जीआरपी ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जीआरपी के अनुसार राहुल सेजकर भोपाल में रहते हैं।

वे पत्रकार हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि अपने परिवार और मामा हरीशंकर के साथ भोपाल से हरदा की यात्रा पठानकोट एक्स के आगे के जनरल कोच में बैठकर कर रहे थे।

ट्रेन रानीकमलापति से निकलकर आउटर पर पहुंची, तभी अज्ञात बदमाश ने उनके हाथ पर डंडा मारकर मोबाइल झपट लिया। डंडा हाथ पर लगने से उन्हें चोट आई है। उनके हाथ से छीने गए मोबाइल की कीमत 23 हजार रुपए है।

इधर भोपाल निवासी नीरज कुमार सक्सेना ने शिकायत करते हुए बताया कि वह स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस के बी-वन कोच में भोपाल से मथुरा की यात्रा अपनी बेटी लीना के साथ कर रहे थे। यात्रा के दौरान अपना मोबाइल सीट पर रख दिया। रेलवे स्टेशन भोपाल से ट्रेन चलने के तुरंत बाद देखा तो सीट पर रखा उनका मोबाइल चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 9 हजार रुपए है।

सड़क पर रहने वाली महिला ने दिया प्री मिच्यौर बेटी को जन्म, मौत

सातवें महीने में लेबर पेन होने के कारण खुद खा ली गोली, अस्पताल में हुआ प्रसव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में सड़क पर रहकर अपना गुजारा करने वाली महिला ने 7 महीने के प्री मिच्यौर बेबी को जन्म दिया। उसे प्रसव पीड़ा (लेबर पेन) हुआ था। लेबर पेन होने के कारण उसने खुद ही गर्भपात होने वाली गोलियां खा ली।

तबीयत बिगड़ने लगी तो महिला को किसी ने सुल्तानिया जनाना जाने की सलाह दी थी। वह अस्पताल पहुंची और वहां 7 महीने की बेटी को जन्म दिया।

बेटी की मौत होने के बाद पूरे मामले का खुलासा हो गया। हालांकि पुलिस प्रकरण में क्या कार्रवाई करें खुद विचलित है। दरअसल, महिला ने बताया कि उसका कोई भी नहीं है। बच्चा किसका है उसे यह तक नहीं पता है।

पुलिस के अनुसार 24 साल की महिला इलाके में रहती है। वह होटल के बाहर सड़क पर रहती है। मंगलवार सुबह उसे लेबर पेन हुआ। उसे किसी ने बताया कि सुल्तानिया अस्पताल चले जाओ।

उसने कहीं से गर्भपात कराने गोली ली और गोली खा ली। तबीयत बिगड़ने लगी तो वह किसी तरह सुल्तानिया अस्पताल पहुंची। उसकी हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने उसका प्रसव करा दिया।

चोरी की नीयत से घुसे युवक की मौत

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित औद्योगिक क्षेत्र में बंद पड़ी बियर फैक्ट्री की दीवार गिरने से युवक की मौत हो गई। उसका शव फैक्ट्री के चौकीदार ने देखा था। चौकीदार की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक बंद पड़ी फैक्ट्री में लोहे की सरिया चुराने गया था तभी दीवार गिरने से वह दब गया।

पुलिस के अनुसार इंद्र सिंह गोयल औद्योगिक क्षेत्र की बंद पड़ी बियर फैक्ट्री में चौकीदारी करते हैं। बुधवार सुबह वह फैक्ट्री के आसपास भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान उन्हें फैक्ट्री के पास दीवार गिरी हुई नजर आई। वह दीवार के पास पहुंचे तो उन्होंने एक युवक का शव देखा। इंद्र सिंह ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव मर्चुरी भेज दिया। मृतक की तलाशी लेने पर उसकी पहचान निखिल मीणा पिता रमेश मीणा (30) सुभाष कॉलोनी अशोका गार्डन के रूप में की गई।

उसने सात महीने में एक प्री मिच्यौर बेटी को जन्म दिया। बच्ची का वजन काफी कम था।

मंगलवार शाम बच्ची की मौत हो गई। प्रसव के समय डॉक्टर ने महिला के बारे में जानकारी जुटाई, उसने जो भी बताया डॉक्टर के लिए हैरान करने वाला था।

बोली पेट भरने जो भी काम मिला किया

अस्पताल की सूचना मिलने पर अशोका गार्डन पुलिस पहुंची। वहां मजेस्ट्रेड के समक्ष महिला के बयान दर्ज किए गए। महिला ने बताया कि वह छह साल पूर्व भोपाल आई थी। उसके परिवार में कोई नहीं था। उसके सामने पेट भरने का संकट था।

वह जो भी काम मिलता था कर लिया करती थी। उससे बच्चे के बारे में पूछा गया तो उसने यह तक बताया कि उसे बच्चे के पिता के बारे में जानकारी नहीं है।

पैसों के लिए उसका अलग-अलग लोगों ने दैहिक शोषण किया है। वह किसी तरह की पुलिस कार्रवाई नहीं चाहती हैं।

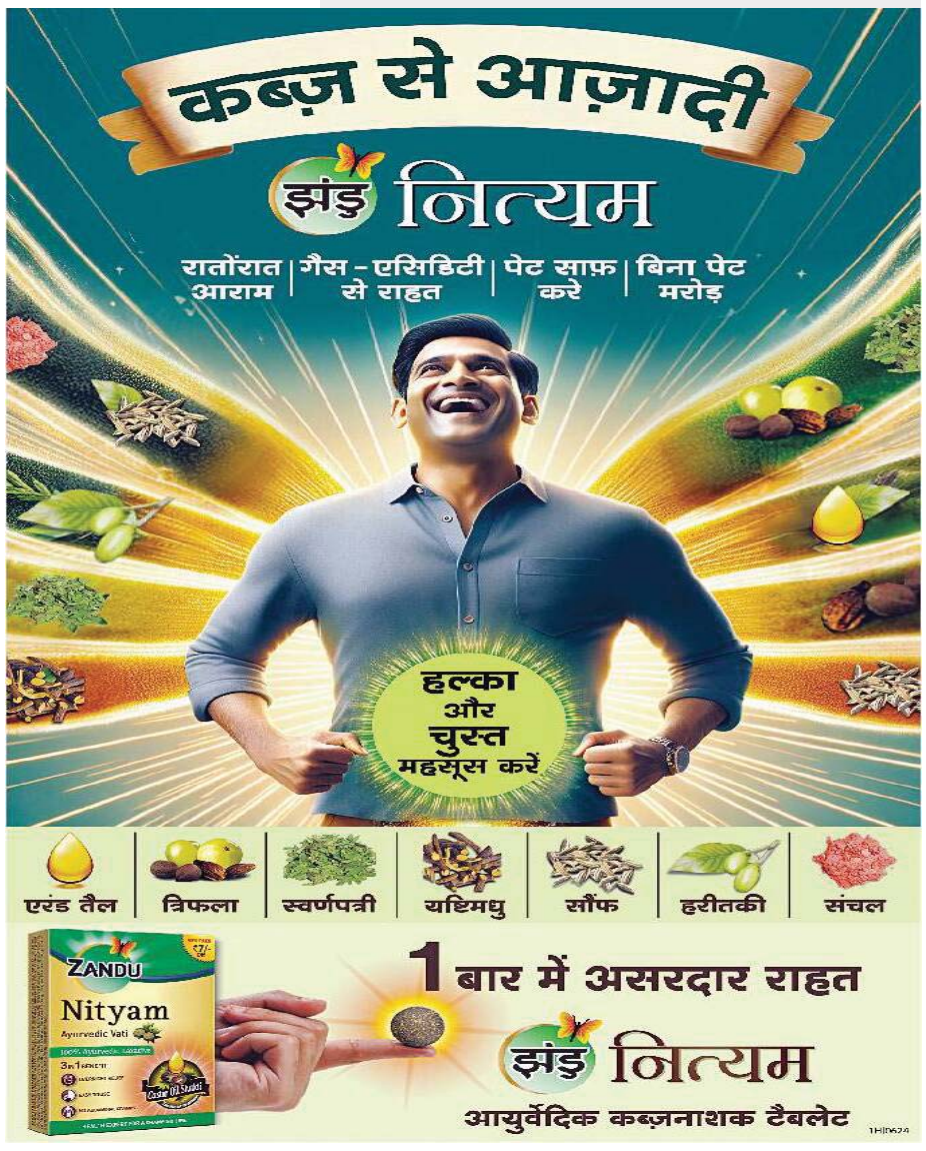

मेट्रो एंकर परवलिया के मुबारकपुर की घटना,पति ने अस्पताल में कराया था भर्ती

बीमारी से परेशान महिला ने खुद का गला ब्लेड से काटा, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित मुबारकपुर में एक महिला ने ब्लेड से खुद का गला काटकर आत्महत्या कर ली। वह टीबी से पीड़ित थी और उसे गले सहित पेट में गांठ थी। उन्हें डर था कि उन्हें गले का कैंसर है। साथ ही आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह परेशान रहती थी। बीमारी व गरीबी से तंग आकर उसने ब्लेड से खुद को गला काट लिया। पति ने गंभीर हालत में पत्नी को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। बुधवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसर ग्राम मुबारकपुर, निवासी धर्मेन्द्र अहिरवार मजदूरी करता है। परिवार में पत्नी क्रांति अहिरवार (29) और दो बच्चे हैं। क्रांति पिछले कुछ समय से टीबी से पीड़ित थी।

सरकारी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान ही महिला के गले व पेट में गठानें उभर आई थीं। क्रांति और उसके पति समेत अन्य परिजनों को संदेह था कि गठानें कैंसर की हो सकती हैं। अस्पताल में दिखाने पर गले व पेट की गठानों के सैम्पल जांच के लिए भेज दिए गए थे।

हालांकि जांच रिपोर्ट अभी नहीं आई है, फिर भी क्रांति को लगने लगा था कि उसे टीबी रोग के साथ-साथ कैंसर भी है। वह दुखी रहने लगी थी। उसने पति से कहा भी था कि पहले से टीबी रोग है। अब अगर कैंसर भी निकल आया तो इलाज कैसे कराएंगे। गरीबी व बीमारी से तंग आकर विगत 21 जनवरी की रात करीब सवा 12 बजे क्रांति ने ब्लेड से खुद को गला काट लिया। उसने ब्लेड से अपने गले पर दो-तीन वार किए थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022